E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 51 | प्रयागराज, गुरूवार 30 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने ट्रम्प पर तंज कसा,250 साल पुराने इतिहास की याद दिलाइ कहा-अगर हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होतें

वॉशिंगटन डीसी। किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में स्टेट डिनर के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि अगर ब्रिटिश न होते, तो आज अमेरिकी लोग फ्रेंच बोल रहे होते। चार्ल्स ने कहा-'आपने हाल ही में कहा था कि अगर अमेरिका नहीं होता, तो यूरोपीय देश जर्मन बोल रहे होते। तो मैं यह कहने की हिम्मत करता हूं कि अगर हम (ब्रिटिश) नहीं होते, तो आप लोग फ्रेंच बोल रहे होते।' करीब 250 साल पहले जब अमेरिका आजाद नहीं था, तब ब्रिटेन और फ्रांस दोनों वहां अपनी-अपनी पकड़ बनाना चाहते थे। दोनों देशों के बीच इस बात को लेकर लड़ाई हुई कि उत्तरी अमेरिका पर किसका कब्जा रहेगा। आखिर में इस लड़ाई में ब्रिटेन जीत गया। किंग चार्ल्स का इशारा इसी तरफ था। इससे पहले जनवरी में दावोस समिट के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों और उनके सहयोग को लेकर एक बयान दिया था। ट्रम्प ने कहा था कि दूसरे विश्व युद्ध में अगर अमेरिका ने बड़ी भूमिका न निभाई होती, तो आज जर्मन और थोड़ा जापानी बोल रहे होते।' इस बयान के जरिए ट्रम्प यह बताना चाहते थे कि अमेरिका

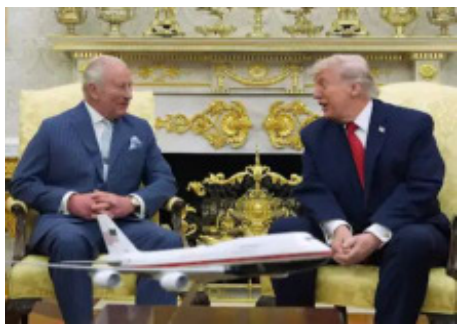

यूरोप का नक्शा और वहां की भाषा दोनों अलग होते। उनके मुताबिक, उस समय जर्मनी और जापान काफी ताकतवर थे और अगर उन्हें रोका नहीं जाता, तो वे कई देशों पर कब्जा कर सकते थे। इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि 'अगर अमेरिका मदद के लिए नहीं आता, तो आज आप लोग ने युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी और यूरोप की आजादी बनाए रखने में बड़ा योगदान दिया था। साथ ही, वह यह भी संकेत दे रहे थे कि आज भी यूरोप अपनी सुरक्षा के लिए काफी हद तक अमेरिका पर निर्भर है। किंग चार्ल्स ने व्हाइट हाउस में हुए बदलावों पर भी ट्रम्प पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ईस्ट विंग में बहुत 'रीएडजस्टमेंट' हो रहे हैं। ट्रम्प ने 400 मिलियन डॉलर का बड़ा बॉलरूम बनाने के लिए पुराने हिस्से को गिरा दिया है। इस पर चार्ल्स ने हंसते हुए कहा, 'हमने भी 1814 में व्हाइट हाउस के रियल एस्टेट डेवलपमेंट की अपनी कोशिश की थी।' असल में वह 1814 की घटना याद दिला रहे थे जब ब्रिटिश सैनिकों ने व्हाइट हाउस को आग लगा दी थी।किंग चार्ल्स इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि आज का डिनर 'बोस्टन टी पार्टी' से काफी बेहतर है। बोस्टन टी पार्टी 16 दिसंबर 1773 को हुई थी। उस समय अमेरिका, ब्रिटेन का उपनिवेश था। ब्रिटेन ने वहां के लोगों पर कई टैक्स लगाए थे, खासकर चाय पर। इससे नाराज होकर लोगों ने समुद्र में चाय फेंक दी थी। यह घटना अमेरिका की आजादी की लड़ाई की शुरुआत की बड़ी वजहों में से एक मानी जाती है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ईरान बोला- हमारे लिए अब भी जंग जैसा माहौल-युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ, दुश्मन ने हमला किया तो नए तरीके से जवाब देंगे

तेहरान। ईरान ने कहा है कि उसके लिए हालात अब भी जंग जैसे बने हुए हैं। प्रेस टीवी के

मुताबिक ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने कहा कि ईरान मौजूदा हालात को सामान्य नहीं मानता है। उन्होंने कहा कि सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार मॉनिटरिंग और सर्विलांस कर रही हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। ईरान ने दुश्मन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई नई कार्रवाई हुई, तो उसे नए हथियारों, नए तरीकों और नए मोर्चों पर जवाब दिया जाएगा। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. यूएई ने ओपेक छोड़ाः संयुक्त अरब अमीरात ने 1 मई से तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक से 59 साल बाद बाहर निकलने की ऐतिहासिक घोषणा की है। ओपेक दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देशों का समूह है। 2. ट्रम्प ने पेशकश ठुकराईः ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने और जहाजों की आवाजाही शुरू करने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद परमाणु मुद्दे पर बात होनी थी, लेकिन ट्रम्प ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। 3. तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे ईरानी विदेश मंत्रीः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची मंगलवार सुबह रूस की अपनी यात्रा खत्म करने के बाद इस्लामाबाद पहुंचे। पिछले 48 घंटों में यह उनका तीसरा पाकिस्तान दौरा है। 4. 10 लाख नौकरियां खत्मः ईरान सरकार ने बताया कि जंग की वजह से देश में सीधेतौर पर कम से कम 10 लाख नौकरियां खत्म हो गई हैं। भविष्य में 1 करोड़ से ज्यादा नौकरियों का खतरा है।5. तेल के दाम बढ़ेः मंगलवार को भी कच्चे तेल की कीमतों में लगातार सातवें दिन बढ़ोतरी दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई।

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रम्प की लोकप्रियता सबसे ज्यादा घटी, सिर्फ 34फीसदी लोग काम से खुश

वाशिंगटन। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और ईरान के साथ युद्ध का असर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की लोकप्रियता पर दिख रहा है। रॉयटर्स-इप्सोस के ताजा सर्वे के मुताबिक केवल 34फीसदी अमेरिकी उनके काम से संतुष्ट हैं। यह उनके

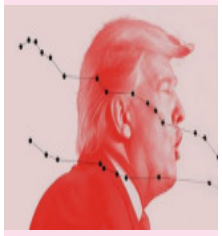

मौजूदा कार्यकाल का सबसे निचला स्तर है। जनवरी 2025 में पद संभालते समय उन्हें 47फीसदी लोगों का समर्थन मिला था। इसके बाद यह लगातार घटता गया। महंगाई इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बन रही है। सर्वे में सिर्फ 22इ लोगों ने कहा कि वे बढ़ती कीमतों को संभालने के तरीके से खुश हैं। पेट्रोल की कीमतों ने लोगों की चिंता बढ़ाई है। फरवरी के अंत में शुरू हुए युद्ध के बाद ईंधन 40फीसदी से ज्यादा महंगा हो गया, जिसका असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ रहा है। अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रम्प की रेटिंग 27फीसदी रह गई है, जो उनके पहले कार्यकाल से कम है। ईरान के साथ संघर्ष पर 34फीसदी लोग उनका समर्थन कर रहे हैं। रिपब्लिकन समर्थक अब भी उनके साथ हैं लेकिन पार्टी के भीतर महंगाई को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। निर्दलीय वोटरों का झुकाव अब डेमोक्रेट्स की ओर नजर आ रहा है, जो आने वाले चुनावों में अहम साबित हो सकता है।

अलकायदा के निशाने पर पाकिस्तानी सेना, अफगानिस्तान नीति को लेकर दे दी धमकी, फंसे असीम मुनीर

काबुल। अफगानिस्तान पर लगातार हवाई हमले कर रहे पाकिस्तान की सेना को अब अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन अलकायदा ने धमकी दी है। अलकायदा ने पाकिस्तान के सिविल और मिलेट्री लीडरशिप को साफ संकेत दे दिया है कि वह अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को सपोर्ट करती है। अलकायदा ने सहाब मीडिया के जरिए भेजे अपने दो पन्ने के संदेश में कहा कि वह पाकिस्तान के सिविल मिलेट्री हाइब्रिड रिजिम के खिलाफ तालिबान का पूरी ताकत और ऊर्जा के साथ सपोर्ट करता है। अलकायदा ने पाकिस्तानी सेना को चेतावनी दी कि वह अफगानिस्तान से दूर रहे। अलकायदा का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अफगानिस्तान में पाकिस्तान ने हवाई हमले करके कई लोगों को मार दिया है। सीएनएन

न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक ओसामा बिन लादेन और मुल्ला उमर के आतंकी संगठन अलकायदा ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया है कि उसके नेता पश्चिमी देशों के साथ मिल गए हैं। अलकायदा ने कहा कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार क्षेत्र में एक व्यापक वैचारिक बदलाव का हिस्सा है। अलकायदा ने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह अफगान हितों के खिलाफ काम कर रही है। वह भी तब दशकों तक पाकिस्तान और तालिबान का साझा उग्रवाद का इतिहास रहा है। उसने सोवियत संघ के खिलाफ कथित जिहाद का भी हवाला दिया है। अलकायदा ने पाकिस्तान के लोगों और सेना के जवानों से सीधे अपील की कि वे सरकार के आदेशों को नहीं मानें। अलकायदा ने कहा कि पाकिस्तानी जनता और सैनिक उसके 'जिहादी लक्ष्यों' को सपोर्ट करे। अलकायदा ने कहा कि पाकिस्तानी जनता दया दिखाए और धार्मिक ड्यूटी को सपोर्ट करे। सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि अलकायदा इस तरह के संदेश देकर पाकिस्तान के अंदर जनता में चल रहे सरकार विरोधी भावनाओं का फायदा उठाना चाहता है। साथ ही इलाके में अपने जनाधार को बढ़ाना चाहता है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर लगातार तालिबान को धमकी दे रहे हैं। अलकायदा की सेना और जनता के अंदर यह आंतरिक विद्रोह की अपील यह संकेत देती है कि आतंकी गुट पाकिस्तान को आंतरिक रूप से अस्थिर करना चाहता है। अलकायदा का तालिबान को खुलकर यह सपोर्ट ऐसे समय पर आया है जब पाकिस्तान ने हाल के महीनों में कई बार अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमला किया है। इसके जवाब में तालिबानी सैनिकों ने भी डूरंड लाइन पर पाकिस्तानी सेना के कई ठिकानों को तबाह कर दिया। सीमा पर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच व्यापार बंद है। तालिबान ने साफ कर दिया है कि वह डूरंड लाइन को नहीं मानता है। वहीं पाकिस्तानी सेना लगातार डूरंड लाइन पर बाड़ लगा रही है ताकि अफगानिस्तान से घुसपैठ को रोका जा सके और सीमा के अपने दावे को पुख्ता किया जा सके। पाकिस्तान और तालिबान के बीच चीन ने मध्यस्थता कराने की कोशिश की थी लेकिन वह फेल रहा। पाकिस्तान एक तरह ईरान और अमेरिका की लड़ाई में मध्यस्थता करके खुद को शांति का मसीहा बताने की कोशिश कर रहा है, वहीं अफगानिस्तान में बच्चों और महिलाओं को मार रहा है। भारत ने पाकिस्तान के इस कायराना हरकत की कड़ी निंदा की है।

बालेन शाह का 'खामोशी भरा शासन' बना सबसे कारगर हथियार, भारत फेवरेट?

काठमांडू। नेपाल ने पिछले महीने दशकों पुराने पारंपरिक राजनीति को खारिज कर एक ऐसी सरकार को चुनना पसंद किया जिसके पास अनुभव नहीं था लेकिन सपने बहुत थे। पिछले करीब एक

महीने से नेपाल में एक ऐसी सरकार चल रही है जो बड़े फैसले करने से पहले घबरा नहीं रही है। इस दौरान पुराने दिग्गज नेताओं की गिरफ्तारी हुई, भारत की सीमा पर कस्टम ड्यूटी को सख्ती से लागू किया गया और अमेरिका, चीन के नेताओं काठमांडू में डेरा डाला। अगले महीने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी काठमांडू जा रहे हैं और इस दौरान प्रधानमंत्री बालेन शाह को भारत आने का न्योता दिया जाएगा। बालेन शाह पारंपरिक नेता नहीं हैं और इसीलिए उन्होंने दिल्ली आने के लिए पहली शर्त ही ये रखी है कि वो सिर्फ फोटो खिंचवाने नहीं आएंगे। वो ठोस वादे चाहते हैं और अभी तक उनके इरादे बहुत ठोस लग रहे हैं। नेपाल के पूर्व सैन्य अधिकारी अशोक के मेहता ने लिखा है कि पोखरा के कास्की ज़िले में स्थित 'लामे अहल' गांव जो पारंपरिक तौर पर नेपाली कांग्रेस का गढ़ था वहां अब बालेन शाह की घंटी (चुनाव चिन्ह) बज रही है। जब उन्होंने इस गांव में रहने वाले एक वयोवृद्ध याम बहादुर से बालेन शाह की तीन हफ्तों की सरकार के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा 'वो बिल्कुल खुश हैं।' बालेन शाह की सबसे दिलचस्प राजनीति ये है कि वो बोल नहीं रहे हैं। वो काम करने का इरादा लेकर पहुंचे हैं। उन्होंने ना ही अभी तक देश को, ना संसद को और ना ही मीडिया को संबोधित किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने अभी तक सोशल मीडिया पर भी अपनी सरकार को लेकर कोई पोस्ट नहीं डाला है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान जो सबसे लंबा भाषण दिया था वो सिर्फ पांच मिनट का था। डेली पॉयोनियर की एक रिपोर्ट में दिल्ली स्थित 'साउथ एशिया यूनिवर्सिटी' में आरएसपी से जुड़े एक पीएचडी शोधार्थी ने कहा 'यह तरीका उनके लिए काफी कारगर साबित हो रहा है। उन्होंने बस एक पांच मिनट का वीडियो क्लिप जारी किया, जिसका शीर्षक था 'जय महाकाली'। यह गोरखाओं का एक युद्ध-घोष है और यह वीडियो इतना वायरल हुआ कि इसने एक मशहूर रैपर के तौर पर उनकी प्रतिभा को पूरी दुनिया के सामने साबित कर दिया।' बालेन शाह के शासन में कई तरह के बदलाव- बालेन शाह राजदूतों से अलग अलग मिलने के बजाए या तो समूहों में मिले या अलग अलग जत्थे में। चीन की पूर्व राजदूत 'होउ यानकी' अक्सर विदेश मंत्रालय को सूचित किए बिना ही 'शीतल निवास' (राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास) या 'बालुवाटार' (प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास) में चली आया करती थीं। लेकिन बालेन ने कहा है कि वो प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। उनके प्रोटोकॉल में उचित कूटनीतिक स्तर पर ही विदेशी दूतों से मुलाकात करना शामिल है। हालांकि उनकी इस नई व्यवस्था की असली परीक्षा एक मई को होगी जब अमेरिका के भारत में राजदूत सर्गियो गोर काठमांडू पहुंचेंगे। सर्गियो कोई आम राजदूत नहीं हैं बल्कि वो डोनाल्ड ट्रंप के काफी करीबी हैं। उनकी वाइट हाउस में सीधी पहुंच है। उन्होंने बालेन शाह से मिलने का समय मांगा है और वो भी सिर्फ बालेन शाह से। किसी और से नहीं। इसीलिए बालेन शाह क्या अपने प्रोटोकॉल को फॉलो करेंगे इसपर हर किसी की नजर है।

भाजपा बोली-ईवीएम में बीजेपी बटन पर टेप लगाया,चुनाव आयोग बोला-शिकायत सही तो दोबारा वोटिंग,सुवेंदु अधिकारी के सामने चोर-चोर के नारे लगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग हो रही है। दोपहर 3 बजे तक 78.68फीसदी वोटिंग हो चुकी है। कई विधानसभा क्षेत्रों से मारपीट, लाठीचार्ज, नारेबाजी और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर के फालता में ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप लगाया गया है। आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन मतदान केंद्रों पर ईवीएम में टेप मिलने की शिकायत सही मिली तो वहां दोबारा चुनाव होंगे।

एक्सपर्ट ने चेताया-ईरान संग 6 कॉरिडोर बनाकर पाकिस्तान ने ट्रंप को दिया झटका, भारत के बिना होगा फेल

नयी दिल्ली। ईरान और अमेरिका युद्ध में पाकिस्तान उन

अवसरों की तलाश में है, जिससे परिस्थितियों का फायदा उठाया जा सके। अब पाकिस्तान ने ईरान के लिए 6 अलग-अलग ट्रेड रूट खोलने का ऐलान किया है। इसमें तफ्तान नामक स्थान खूब चर्चा में है। तफ्तान, ईरान और पाकिस्तान की सीमा पर, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के चगाई जिले में स्थित एक महत्वपूर्ण सीमावर्ती शहर है। यह पाकिस्तान से ईरान में प्रवेश करने का मुख्य जमीनी रास्ता है जो दोनों देशों के बीच माल ढुलाई और व्यापार के लिए एक प्रमुख मार्ग है। पाकिस्तान से ईरान, इराक और सीरिया जाने वाले ज़ायरीन और आम यात्री मुख्य रूप से इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। यह पाकिस्तान के क्वेटा शहर से सड़क और रेलवे के माध्यम से जुड़ा हुआ है। यह तो तफ्तान की वर्तमान पहचान है लेकिन उसकी ऐतिहासिक पहचान भारत से जुड़ी हुई है। यदि पाकिस्तान तफ्तान के कॉरिडोर को खोलकर आर्थिक और सांस्कृतिक लाभ लेना चाहता है तो उसका ख्वाब भारत के बिना कभी पूरा नहीं हो सकता है। दरअसल, तफ्तान ऐतिहासिक लंदन-क्वेटा-दिल्ली सड़क मार्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। साल 1950 से 1970 के दशक तक जब ईरान और अफगानिस्तान में शांति थी, तब यह मार्ग यूरोप से भारत को जोड़ने वाला सड़क मार्ग के रूप में बहुत लोकप्रिय था जिसे हिप्पी ट्रेल कहा जाता था।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र पहुंचा ईरान,कहा- हमारा जहाज जब्त करना समुद्री डकैती,सुरक्षा परिषद एक्शन ले

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में शिकायत की है। तेहरान ने युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई 'मैजेस्टिक' और 'टिफनी' नाम के जहाजों को कब्जे में लिया और लगभग 38 लाख बैरल करती है।इरावानी ने यह भी कहा कि अगर ऐसे कदमों को रोका नहीं गया, तो यह एक

टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चिट्ठी में ईरान ने अमेरिका पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने उसके जहाजों को जब्त करके 'समुद्री डकैती' की है।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी ने कहा कि अमेरिका ने ईरानी तेल भी जब्त कर लिया। उनके मुताबिक यह कदम गैरकानूनी है और यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार में दखल देने जैसा है। ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और समुद्र से जुड़े कानूनों का उल्लंघन खतरनाक उदाहरण बन सकता है, जिससे पूरी दुनिया में कानून व्यवस्था कमजोर पड़ सकती है।

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मांग की है कि वह अमेरिका के इस कदम की निंदा करे और इस मुद्दे पर कार्रवाई करे।

मोदी ने काशी विश्वनाथ में पूजा की, त्रिशूल लहराया,14किमी के रोड शो में फूल बरसाए

वाराणसी। काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-

अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया। पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। गेट पर 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर में पीएम बच्चों से भी मिले और उनसे बातचीत की। इससे पहले, पीएम के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए। प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया। काफिले पर फूल बरसाए गए। पीएम ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि, वह कहीं रुके नहीं।काशी से पीएम हरदोई के लिए रवाना हो गए हैं। वहां गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा।प्रधानमंत्री का 11 साल में यह 54वां काशी दौरा है। हालांकि, यह 2026 का पहला दौरा है। इससे पहले, पीएम नवंबर 2025 में काशी आए थे।प्रधानमंत्री ने अपने काशी दौरे के पहले दिन 6,350 करोड़ रुपए की 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया था। उन्होंने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में भी हिस्सा लिया, जिसमें करीब 50 हजार महिलाएं शामिल हुईं। मंच पर राजनीति, स्वयं सहायता समूह और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी 44 महिलाएं मौजूद रहीं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा और कांग्रेस ने महिलाओं को धोखा दिया। आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ूंगा।

यूपी का बांदा लगातार दूसरे दिन सबसे गर्म, पारा 45.6डिग्री.

प्रयागराज। कई शहर हीटवेव की चपेट में हैं। ज्यादातर हिस्सों में तापमान 40-46डिग्री. के बीच चल रहा है। मंगलवार को भी यूपी का बांदा देश में सबसे गर्म शहर रहा। यहां पारा 45.6डिग्री. दर्ज किया गया। इसके अलावा ओडिशा के झारसुगुड़ा में 45.3डिग्री., महाराष्ट्र के अकोला, वर्धा और अमरावती में 45डिग्री. से ज्यादा तापमान रहा।

का हाल-30 अप्रैल-ओडिशा के कुछ इलाकों में गर्म और उमस भरा मौसम; छत्तीसगढ़ और झारखंड में आंधी, ओलावृष्टि की आशंका। मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और दिल्ली में बिजली और आंधी की संभावना। बिहार, राजस्थान, यूपी, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाओं के साथ गरज-चमक संभव। 1 मई-आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पुडुचेरी में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना। बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में बिजली और आंधी की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हो सकती है। भीषण गर्मी और लू से बचाने के लिए प्रयागराज में जगह-जगह वाटर एटीएम लगाए गए हैं। ओडिशा में लू सेंटर बनाए जा रहे हैं। इन सेंटर पर यात्रियों को ठंडा पानी और ग्लूकोज दिया जाएगा। अगले 2 दिन के मौसम

मा0 प्रभारी मंत्री राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों व कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक कर दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 मंत्री सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम,खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0/प्रभारी मंत्री जनपद राकेश सचान ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित कराया जायें कि कोई पात्र व्यक्ति आवास से वंचित न रहें। निराश्रित गोवंश की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि गर्मी के दृष्टिगत पशुओं को लू/हीटवेव से बचाव हेतु सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराया जाये। शत प्रतिशत निराश्रित गोवंशों को आश्रित कराया जायें, गोशालाओं में हरे चारे, छाया आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाए, गोवंश सहभागिता योजना के अन्तर्गत लोगों को प्रेरित कर अधिक से अधिक गोवंशों की सुपुर्दगी करायें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत कराये जा रहे कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत इस वित्तीय वर्ष में अधिक से अधिक जोड़ों का रजिस्ट्रेशन कराकर लाभान्वित कराया जाए। मा0 प्रभारी मंत्री ने आयुष्मान कार्ड की समीक्षा में निर्देश दिये कि पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जायें। किसानों को सिंचाई हेतु नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराया जाए, जिससे किसानों को फसल सिंचाई में कोई दिक्कत न हो, किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत आपूर्ति भी रोस्टर के अनुसार सुनिश्चित करायी जायें। ग्रामीण क्षेत्रों में जले हुए ट्रांसफार्मर को निर्धारित समय में रिप्लेस कराया जाए। पीएमजीवाई विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि सड़कों की नवीनीकरण/मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए, इसके साथ ही निर्माणकार्य की गुणवत्ता भी सुनिश्चित कराई जाए। सभी विभाग अपने लक्ष्यों की शतप्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करायें, विगत वित्तीय वर्ष के निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि माह मई तक कार्य योजना तैयार कर अक्टूबर एवं नवम्बर तक कार्यों को नियमानुसार पूर्ण करा लिया जाए। इस अवसर पर मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 नवीन चन्द्रा, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) अमृता सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए सतीश प्रसाद मिश्रा सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 39.50 लाख रुपये की नकदी बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के थाना उत्तर पुलिस ने मंगलवार को जलेसर रोड पर वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 39.50 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। बरामद रकम के बारे में युवक कोई भी वैध दस्तावेज या स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। पुलिस की सूचना पर आयकर विभाग की टीम ने नकदी को सीज कर दिया है। पकड़े गए युवकों की पहचान फरमान पुत्र सिराजुद्दीन और शकील पुत्र मोहम्मद अलवार के रूप में हुई है। दोनों ही मोहल्ला अग्रेयान, थाना जलेसर, एटा के निवासी हैं। इनको आयकर ने नोटिस तामील कराकर छोड़ दिया।एसपी सिटी रविशंकर प्रसाद ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक अंजीश कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे जलेसर रोड पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने एक काले रंग की आगरा नंबर की सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल को रुकवाया। बाइक पर दो युवक सवार थे, जिनके बीच में एक बड़ा कपड़े का थैला रखा हुआ था। जब पुलिस ने थैले की तलाशी ली, तो उसमें 500 रुपये के 7,900 नोट बरामद हुए। कुल धनराशि 39 लाख 50 हजार रुपये थी। पकड़े गए युवकों की पहचान फरमान पुत्र सिराजुद्दीन और शकील पुत्र मोहम्मद अलवार के रूप में हुई है। दोनों ही मोहल्ला अग्रेयान, थाना जलेसर, एटा के निवासी हैं। मामले की जांच जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इतनी बड़ी रकम कहां ले जाई जा रही थी।सीओ सिटी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने की सूचना तत्काल आयकर विभाग को दी गई। सूचना पर आगरा से आयकर अधिकारी संजीव कुमार अपनी टीम के साथ थाना उत्तर पहुंचे और पकड़े गए युवकों से पूछताछ की। आय के स्रोत और नकदी के परिवहन के संबंध में संतोषजनक उत्तर न मिलने पर आयकर टीम ने प्रथम दृष्टया इसे संदिग्ध मानते हुए धनराशि को सीज कर लिया है।

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल, नैनी, प्रयागराज में छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल, नैनी, प्रयागराज में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद (स्कूल कैबिनेट) के चयनित पदाधिकारियों का समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। विद्यालय की आदरणीय प्राचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने सभी चयनित छात्र-छात्राओं को बैज एवं सैश प्रदान कर उन्हें उनके दायित्वों के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्या सिस्टर ग्रेसी तथा कैबिनेट प्रभारी विनोद पांडेय, प्रीति मिश्रा एवं मोहम्मद साबिर उपस्थित रहे। मुख्य चयनित पदाधिकारी इस प्रकार हैं:- शिवांश (कक्षा 12 C) - स्कूल पुपिल लीडर (SPL) मानवी अरोड़ा (कक्षा 11 C) असिस्टेंट स्कूल पुपिल लीडर (ASPL) जसमेहर - प्रेसिडेंट, रित्विक डोराई पॉल - सचिव, आराध्या पांडेय - स्पीकर, प्रांजल तिवारी - होम मिनिस्टर, हुसैन अली - स्पोर्ट्स कैप्टन (बालक) फैज़ा सिद्दीकी - स्पोर्ट्स कैप्टन (बालिका) प्राचार्या सिस्टर डॉ. शमिता ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि- 'नेतृत्व केवल पद नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा का प्रतीक है। आप सभी विद्यालय के आदर्श बनें और अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करें' समारोह के अंत में सभी नवनिर्वाचित कैबिनेट सदस्यों को बधाई दी गई तथा उनके उज्ज्वल नेतृत्व की कामना की गई। विद्यालय परिवार की ओर से सभी छात्र परिषद सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं।

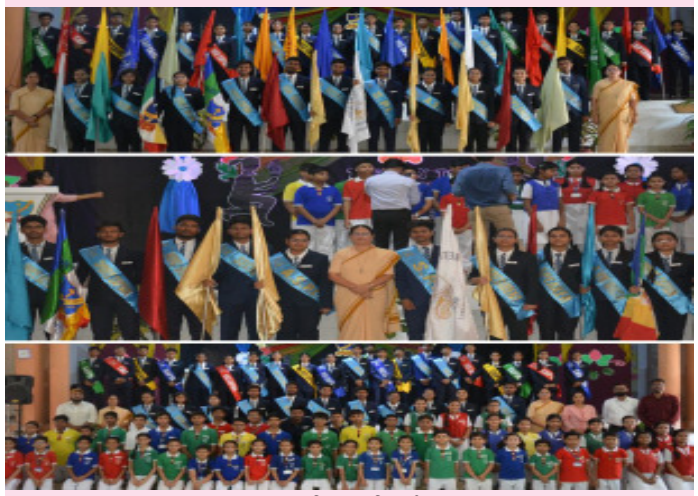

जुगलै थाने मे युवक कि कुल्हाड़ी से दोस्त ने मार कर कि हत्या

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दोस्त ने ही आदिवासी युवक की हत्या कर शव को फेंका घर के पास। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज ,आगे की कार्यवाही में जुटी। सोनभद्र के जुगैल थाना क्षेत्र के कुडारी गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब एक 26 वर्षीय युवक बल्लू की हत्या कर शव को आरोपियों ने अपने घर के पास ही सड़क के किनारे फेंक दिया । मामले की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल मामले की जानकारी डायल 112 व जुगैल थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस परिजनों से मिली तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनके गिरफ्तारी का प्रयास में जुटी हुई है परिजनों का कहना है कि बल्लू की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी वह मजदूरी कर शाम को घर आया और उसका दोस्त कुरई रात लगभग 8:00 बजे उसे घर से बुलाकर ले गया और देर रात उसके घर से लगभग 100 मीटर दूर पर बल्लू का शव मिला। परिजनों का कहना है कि बल्लू के सर पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या करने का आरोप परिजनों के द्वारा लगाया जा रहा है। इस मामले में परिजनों का कहना है कि बल्लू मजदूरी कर शाम को घर पहुंचा था और रात लगभग 8:00 बजे उसका दोस्त उरई उसे घर से बुलाकर अपने घर ले गया और वहां पर खिलाने पिलाने के बाद ही उरई व उसके परिजनों ने मिलकर अपने घर पर ही धारदार हथियार से वार कर बल्लू को मौत के घाट उतार दिया और शव को घर से लगभग 100 मीटर दूर सड़क के किनारे फेंक दिया। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों ने तत्काल मामले की जानकारी डायल 112 जुगैल थाना पुलिस को दी पुलिस के द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देह जलाती गर्मी से मिली राहत,मौसम हुआ सुहाना

'असीम कुमार मित्रा' (आधुनिक समाचार नेटवर्क) एक हफ्ते से प्रयागराज का तापमान लगातार 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। सुबह से ही तेज धूप निकल जाती थी, जो दोपहर तक और ज्यादा तपने लगती थी। भीषण गर्मी ने लोगों का जनजीवन काफी प्रभावित कर दिया था। बुधवार सुबह नोएडा, मथुरा, बरेली, संभल समेत 7 जिलों में तेज बारिश हुई। आगरा में दोपहर में ओले गिरे। पश्चिम यूपी के ज्यादातर जिलों में बादल छाए हैं। नोएडा में तड़के आंधी के साथ बारिश हुई। मथुरा में अचानक हुई बारिश से बचने के लिए लोग ट्रॉली के नीचे बैठ गए। हालांकि मौसम और तापमान में आये अचानक बदलाव के चलते बुजुर्ग और हार्ट पेशेंट्स के लिए दिक्कत की बात हैं वहीं रोज कुआ खोदके पानी पीने वाले मेहनतकश लोगो और बच्चों को आराम मिला।

'असीम मित्रा' (आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। बुधवार को संगम नगरी प्रयागराज में दोपहर तक तो चिचिलाती देह हाड़ गला देने वाली गर्मी थी,पर दोपहर डेढ़ बजे तक मौसम सुहाना हो गया हालांकि सुबह से ही नोएडा गाज़ियाबाद और पश्चिमी उ.प्र से बारिश और तेज हवाओ की खबरे आ रही थी। इससे पहले पिछले

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर भाजपाइयों का जनाक्रोश, राहुल-अखिलेश का फूंका पुतला

महिला मोर्चा ने निकाला जुलूस, बोलीं मीनू चौबे– विपक्ष के कारण रुका बिल, जल्द पास करे सरकार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)ओबरा/सोनभद्र। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पारित न होने से भारतीय जनता पार्टी ओबरा मंडल के कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष ऊषा शर्मा की अध्यक्षता में राम मंदिर प्रांगण में कार्यकर्ताओं का एकत्रीकरण हुआ। यहां से भाजपाइयों ने 'मातृ शक्ति जिंदाबाद', 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्', 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए जुलूस निकाला। जुलूस सुभाष तिराहे पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव सहित अन्य नेताओं का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की संयोजक मीनू चौबे ने कहा कि यह आक्रोश केवल ओबरा शहर में ही नहीं बल्कि पूरे देश में व्याप्त है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 'जन आक्रोश महिला सम्मेलन' आयोजित किए गए हैं, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि विपक्ष के कारण ही महिला आरक्षण से जुड़ा बिल पास नहीं हो सका। मंडल अध्यक्ष ने सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द यह बिल पास किया जाए ताकि मातृ शक्ति को समाज में उनका अधिकार मिल सके। इस अवसर पर सतीश पाण्डेय, निवास तोमर, उमेश सिंह पटेल, बृजेश पाण्डेय, रंजना सिंह, विशाल गुप्ता, सुखनन्दन चौरसिया, सुनीता पाण्डेय, हेमलता जायसवाल, सरिता सिंह, अनुज त्रिपाठी, सुनील सिंह, विवेक तोमर, नित्यानंद दूबे, सुशील कुशवाहा, निलेश मिश्रा, किरन सिंह, पुष्पा दूबे, सुषमा कुशवाहा, अभिषेक शर्मा, अभिषेक सिन्हा, सावित्री देवी, विनोद तिवारी एवं मीडिया प्रभारी शिशिर शर्मा सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समर्पित एनजीओ ने सोनपंप के समीप ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, शीघ्र समाधान का संकल्प

सुशील कुमार व डॉ. जीसी यादव के मार्गदर्शन में चला जनसेवा अभियान, अमन सिंह व सृष्टि ने किया नेतृत्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। समर्पित एनजीओ द्वारा जनसेवा अभियान के अंतर्गत सोनपंप के समीप स्थित ग्राम का दौरा किया गया। कार्यक्रम सुशील कुमार, सेवानिवृत्त जेडी सीबीसीआईडी एवं डॉ. जीसी यादव, बीएएमएस के विशेष मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। एनजीओ की टीम ने स्थानीय नेतृत्व के साथ ग्रामीणों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की तथा उनके शीघ्र समाधान हेतु प्रयास करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने बिजली, पानी, स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़ी समस्याएं रखीं। संस्था ने कहा कि इस जनसेवा अभियान को सफल बनाने हेतु सभी प्राध्यापकों के सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा है। कार्यक्रम का नेतृत्व अमन सिंह एवं सृष्टि द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मार्गदर्शक के रूप में सुशील कुमार, सेवानिवृत्त जेडी सीबीसीआईडी, डॉ. जीसी यादव, बीएएमएस एवं ,अभिषेक चौधरी,उपस्थित रहे। एनजीओ ने भरोसा दिलाया कि चिह्नित समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर समाधान कराया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज 12 घंटे से अंधेरे में, मरीज बेहाल, ब्लड सैंपल हुए खराब

सी ब्लॉक में जनरेटर-इनवर्टर तक नहीं, डीएम ने किया औचक निरीक्षण, दिए सुधार के आदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल तब खुल गई जब हजारों मरीजों का सहारा बना मेडिकल कॉलेज खुद 12 घंटे से अंधेरे में डूबा रहा। रात 12 बजे से बिजली आपूर्ति ठप होने से भर्ती मरीजों से लेकर ओपीडी तक में अफरा-तफरी मच गई। बिजली न होने से ब्लड जांच, पैथोलॉजी व ऑपरेशन थिएटर जैसी जरूरी सेवाएं ठप हो गईं। भीषण गर्मी में पानी की किल्लत से मरीजों और तीमारदारों की मुश्किलें बढ़ गईं। सबसे गंभीर बात यह रही कि जांच के लिए लिए गए ब्लड सैंपल 12 घंटे से ज्यादा समय बीतने के बाद खराब हो गए, जिससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए। सी ब्लॉक की स्थिति सबसे बदतर रही। यहां ब्लड जांच, डेंटल और ऑपरेशन थिएटर जैसी सुविधाएं हैं, लेकिन न जनरेटर है न इनवर्टर। किसी आपात स्थिति में बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। सी ब्लॉक प्रभारी डॉ. ज्योति अग्रवाल ने बताया कि उन्हें हाल ही में जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने हैरानी जताई कि अब तक यहां बुनियादी बैकअप सुविधा क्यों नहीं दी गई। उन्होंने माना कि बिजली न होने से ब्लड सैंपल प्रभावित हुए हैं। उच्च अधिकारियों से बात कर व्यवस्था दुरुस्त कराने का प्रयास किया जाएगा। मरीजों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है। आए दिन बिजली गुल रहती है। कई लोग पिछले दिन भी ब्लड रिपोर्ट लेने आए थे, लेकिन खाली हाथ लौटना पड़ा। शिकायत मिलने पर डीएम चर्चित गौर ने मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने तीनों बिल्डिंग का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। डीएम ने बिजली आपूर्ति में आ रही दुश्वारियों को त्वरित दूर करने, साफ-सफाई बेहतर करने और स्टाफ-डॉक्टरों की कमी सुधारने के आदेश दिए। अस्पताल में बिजली व पानी की समस्या के अस्थाई समाधान के भी निर्देश दिए।

साईकिल भेंट कर किया गया बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जवाहर विहार कॉलोनी स्थित दुर्गा इंटरमीडिएट कॉलेज में बोर्ड परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए उक्त कार्यक्रम की शुरुआत की । विद्यालय के संचालक देवेंद्र शुक्ला ने कक्षा 10 के टॉपर अहम यादव को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए साईकिल भेंट की। इसी प्रकार कक्षा 12 की छात्रा अंकिता वर्मा व छात्र प्रांजल सक्सेना को भी इंटरमीडिएट में टॉप करने पर साइकिल भेंट की गई। विद्यालय का रिजल्ट प्रतिवर्ष की भांति बहुत ही शानदार रहा रजनीकांत तिवारी 93फीसदी, आराध्या पांडे 91फीसदी और विवेक 90फीसदी अंक हासिल किए। सभी बच्चों का माल्यार्पण और प्रतीक चिह्न भेंट कर उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य ऋतु शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय के बच्चों ने बिना सेल्फ सेंटर के अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है और हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में आसपास के सभी स्कूलों से विद्यालय का रिजल्ट शानदार रहा है विद्यालय के सभी स्टूडेंट प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण है उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विद्यालय द्वारा बच्चों के उत्साह वर्धन हेतु किए गए प्रयास की अत्यंत सराहना की।

मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर ने किया होटल ताज का भूमि पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। धर्म, आस्था एवं अध्यात्म के केंद्र संगम नगरी प्रयागराज में जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से संपन्न बहुमंजिले पांच सितारा होटल ताज का निर्माण होगा। जिसका निर्माण इकावो हॉस्पिटैलिटी द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण कार्य शुरू करने के पूर्व बुधवार को मंफोर्डगंज में भव्य भूमि पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी एवं प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी सम्मिलित हुए। इस अवसर पर आयोजित अखंड रामायण एवं हवन पूजन में सम्मिलित हुए।इकावो हॉस्पिटैलिटी के डायरेक्टर अभिषेक गुप्ता एवं प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने भूमि पूजन किया।ममफोर्डगंज में कलश चौराहा के पास इकावो हॉस्पिटैलिटी द्वारा 12000 स्क्वायर मीटर में 22 मंजिले होटल ताज का निर्माण कराया जाएगा। जिसमें शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के साथ ही सिने प्लेक्स का भी निर्माण होगा। होटल से पूरे शहर का नजारा दिखाई देगा। होटल निर्माण के लिए तीन साल का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मोडा आर्क इंडिया आर्किटेक्ट जीतेन्द्र जैन द्वारा निर्माण कराया जाएगा।मम्फोर्डगंज में स्थापित होने वाला होटल ताज कनेक्टिविटी के मामले में भी प्रयागराज आने वाले यात्रियों के लिए काफी बेहतर साबित होगा। 20 मिनट में एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी से आने वाले यात्री भी दो से तीन घंटे में जा सकेंगे।भूमि पूजन के पूर्व मम्फोर्डगंज में अखंड रामायण का आयोजन किया गया। जिसका बुधवार को समापन हुआ।

अवैध घोषित बैंक्वेट हॉलों में सार्वजनिक आयोजनों पर लगे रोक - शालिनी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सामाजिक संस्था नौएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शहर से जुड़े जनहित के कई अहम मुद्दों को उठाते हुए प्रशासन से त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई की मांग की। 1. फोरम ने सैक्टर 150 नौएडा में जनवरी माह में हुए इंजीनियर युवक की मृत्यु के दर्दनाक हादसे का मुद्दा उठाया, जिसमें युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मृत्यु हो गई थी। शालिनी सिंह ने कहा कि यह घटना नौएडा जैसे हाईटेक शहर के लिए अत्यंत शर्मनाक बात है कि पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में एक युवक ने दम तोड़ दिया। यह घटना प्रशासन और पुलिस की घोर लापरवाही का परिणाम है। जैसा कि मीडिया के माध्यम से लोगों को ज्ञात हुआ है कि इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी द्वारा एसआईटी गठित कर 5 दिनों के भीतर रिपोर्ट पेश करने के आदेश जारी किए गए थे जिनकी अवेहलना करते हुए एस.आई.टी. ने लगभग 100 दिन लगा दिए इस रिपोर्ट को तैयार करने में, सवाल यह है कि क्या एच्ज के लिए मुख्यमंत्री के आदेश कोई मायने नहीं रखते ? एस.आई.टी. ने कई महीनों का इतना लंबा समय लेने के बावजूद ऐसी रिपोर्ट तैयार की जिसको देखकर लगता है कि इसे किसी दारोगा स्तर के अधिकारी ने एक या दो दिन में तैयार किया हो जिसमें छोटे स्तर के अधिकारियों पर सारा दोष मढ़कर मामले को रफा दफा कर दिया जा रहा है, किसी भी उच्च अधिकारी को दोषी नहीं माना गया। क्यों नहीं घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी मौके पर पहुंची जबकि आपदा प्रबंधन की प्रमुख भी वो ही हैं, यह बात भी रिपोर्ट में होनी चाहिए थी।नौएडा सिटीजन फोरम ने मांग की थी कि एस.आई.टी. सार्वजनिक सूचना अखबारों में प्रकाशित कराए कि उक्त मामले में यदि कोई अपनी बात या बयान एस.आई.टी. के समक्ष देना चाहता है तो वो उपस्थित हो सकता है किंतु ऐसा कोई सार्वजनिक नोटिस या सूचना प्रकाशित नहीं कराई गई। फोरम ने मांग की थी कि जनप्रतिनिधियों ने इस मामले में पत्र लिखकर और वीडियो जारी कर प्राधिकरण या प्रशासन के विरुद्ध जो शिकायतें की हैं उनको भी एस.आई.टी. द्वारा अपनी रिपोर्ट में उनके बयान के तौर पर शामिल किया जाना चाहिए। रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाये, इस बात को भी एस.आई.टी. ने नहीं माना। अतः एन.सी.एफ. जनहित में उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता है कि उक्त एस.आई.टी. के सदस्यों से जवाब तलब किया जाना चाहिए कि आपके द्वारा उन्हें जिस समय अवधि में जांच रिपोर्ट को तैयार करने का निर्देश दिया गया था, उसमें क्यों नहीं तैयार किया गया व जो लोग या सामाजिक संस्थाएं इस विषय में एस.आई.टी. के समक्ष तथ्यों को रखना चाहते थे उन्हें मौका क्यों नहीं दिया गया। लगभग तीन माह में रिपोर्ट को जारी किया गया है। जिसमें कुछ निचले स्तर के कर्मचारियों पर ही आरोप लगाया गया है, उच्च अधिकारियों की क्या कोई जिम्मेदारी नहीं बनती ? युवराज मेहता के पिता ने भी इस रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। मीडिया में प्रकाशित जो रिपोर्ट देखने में आ रही है इससे जांच की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह खड़े होते हैं। अतः फोरम की मांग है कि-जांच में देरी के कारणों का स्पष्ट खुलासा सार्वजनिक तौर पर करके जन भावनाओं एवं लोकतांत्रिक मर्यादा का पालन एस.आई.टी. को करना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी की 'अपराध एवं भ्रष्टाचार' पर 'जीरो टॉलरेंस नीति' का सम्मान करते हुए एस.आई. टी. के सदस्यों को उक्त प्रकरण में उच्च अधिकारियों की कार्यशैली एवं भूमिका की भी सही से जांच करनी चाहिए थी जोकि नहीं कि गई, केवल छोटे अधिकारियों पर दोष रोपित करके उच्च अधिकारियों को बचाया जाना रिपोर्ट में दिखाई देता है। फोरम व्यापक जनहित में मुख्यमंत्री महोदय

से मांग करता है कि एस.आई. टी. की उक्त रिपोर्ट को रद्द करते हुए इस मामले में न्यायिक जांच 'ज्यूडिशियल इंक्वायरी' करवाने का कष्ट करें ताकि युवराज मेहता के परिवार को सही न्याय मिल सके और इस घटना में जिम्मेदार कोई भी छोटा-बड़ा दोषी अधिकारी बच ना सके। 2. प्रेस कॉन्फ्रेंस का दूसरा बड़ा मुद्दा नौएडा में संचालित अवैध बैंक्वेट हॉल/ बारात घरों का रहा। शालिनी सिंह ने कहा कि नौएडा सिटीजन फोरम प्राधिकरण, पुलिस, प्रशासन से यह पुरजोर मांग करता है कि जिन बैंक्वेट हॉलों/ बारात घरों को नौएडा प्राधिकरण 'अवैध घोषित' कर चुका है उनमें होने वाले 'सार्वजनिक कार्यक्रमों' पर तत्काल रोक लगाई जानी चाहिए। नौएडा प्राधिकरण ने जिन बैंक्वेट हॉलों को नोटिस जारी करते हुए अवैध घोषित किया है और नौएडा प्राधिकरण की भूमि पर निर्मित बताया है तो फिर सरकारी जमीन पर खड़े किए गए बैंक्वेट हॉलों से होने वाली लाखों/ करोड़ों की कमाई पर किसी निजी व्यक्ति का अधिकार कैसे हो सकता है, नौएडा प्राधिकरण की भूमि पर निर्मित कोई भी निर्माण 'पब्लिक की संपत्ति' हुई जिसपर सरकार का अधिकार होना चाहिए नाकि किसी प्राइवेट कंपनी या लोगों का। अतः अवैध घोषित सभी बैंक्वेट हॉलों में 'सार्वजनिक आयोजनों' पर तत्काल 'रोक' लगाई जानी चाहिए व इन्हें ध्वस्त ना किए जाने तक सील किया जाना चाहिए। इस हेतु संबंधित थाना प्रभारी व प्राधिकरण इंचार्ज की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए और लापवाही पाये जाने पर सख्त कार्यवाही अमल में लाई जानी चाहिए ताकि सरकार की कार्यशैली एवं नेक नियति पर जनता का विश्वास कायम रहे। शालिनी सिंह ने कहा कि यह भी बेहद जरूरी है कि स्थानीय पुलिस, प्रशासन व सतर्कता विभाग को यह भी खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी 'सरकारी कार्यक्रम' या संवैधानिक पदों पर आसीन जनप्रतिनिधियों के कार्यक्रम नौएडा की किसी 'अवैध' इमारत या बिल्डिंग या बैंक्वेट हॉल इत्यादि में ना आयोजित किया जाए। किसी भी विवादित भूमि, अवैध बिल्डिंगों इत्यादि में रूलिंग पार्टी या सरकार या जनप्रतिनिधियों का कार्यक्रम आयोजित करने से जनता के समक्ष वहां की सरकार और रूलिंग पार्टी की खराब तथा भ्रष्टाचार को समर्थन देने वाली छवि बनती है। अतः पुलिस प्रशासन को इस पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। 3. प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगला प्रमुख मुद्दा नौएडा में अवैध एवं अस्थाई डंपिंग ग्राउंड में लगातार लग रही आग का रहा। सैक्टर 145 में पिछले 10-12 दिनों से लगी भीषण आग का उल्लेख करते हुए शालिनी सिंह ने बताया कि पूर्व में सैक्टर 32 और 123 में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं से पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहा है। फोरम की मांग है कि :- सभी अवैध डंपिंग ग्राउंड को तत्काल बंद किया जाए, कचरा निस्तारण के लिए स्थायी एवं वैज्ञानिक व्यवस्था लागू की जाए तथा संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। 4. नौएडा में खराब पेयजल की आपूर्ति पर भी शालिनी सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि नौएडा के अनेकों सैक्टर, गांव एवं सोसाइटी कई सालों से स्वच्छ एवं पर्याप्त जल आपूर्ति से वंचित हैं, नौएडा के वर्ल्ड क्लास सिटी होने का दावा करने वाला नौएडा प्राधिकरण अभी तक स्वच्छ पीने के पानी जैसे नागरिकों के मूलभूत अधिकार को सही से मुहैया नहीं करवा पाया है जोकि प्राधिकरण के लिए अत्यंत शर्मनाक बात है।फोरम ने इसे नागरिकों के मूल अधिकारों से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि इस दिशा में गंभीरता से त्वरित कार्यवाही की जानी चाहिए। फोरम की मांग है कि:-सभी क्षेत्रों में नियमित एवं स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जल गुणवत्ता की नियमित जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को नौकरी से बर्खास्त किया जाये। 5. नौएडा में नई सीवर लाइनें डाली जायें क्योंकि शहर को बसे हुए बहुत लम्बा समय बीत चुका है और अधिकत्तर सैक्टरों में बिछी हुई सीवर लाइनें खराब हो चुकी हैं जिस कारण जगह जगह सीवर बंद रहते हैं जिससे दूषित पानी लोगों के घरों में घुस जाता है। शालिनी सिंह ने कहा कि सरकारी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी और क्षमता के साथ नौएडा के नागरिकों की समस्याओं को सुनना, समझना और उनका निस्तारण करना चाहिए, साथ ही जनहित के मुद्दों पर पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाये क्योंकि 'न्याय में देरी, न्याय से वंचित करने के समान है।' नागरिकों का विश्वास प्रशासन और कानून-व्यवस्था में बना रहे इस पर सर्वोच्च प्राथमिकता पर सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को काम करना चाहिए। शालिनी सिंह ने कहा कि नौएडा सिटीजन फोरम यह विशेष ध्यान रखेगा कि नौएडा एवं यहां की जनता के प्रति उदासीन व ढुलमुल रवैया रखने वाले लापरवाह अधिकारियों को चिन्हित कर उनकी शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री जी तक सही से पहुंचाई जा सके और पथ भ्रष्ट अधिकारियों की रवानगी नौएडा से शीघ्र अति शीघ्र करवाई जा सके। इस अवसर पर फोरम के महासचिव प्रशांत त्यागी,सचिव गरिमा त्रिपाठी, गिरीश कपूर, मधु मेहरा, छाया राय, पवन यादव, रेणु बाला शर्मा ज्योत्सना पमनानी एवं एडवोकेट कमल कौशिक आदि उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का बर्णन हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 सेंट्रल पार्क में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन का आयोजन किया गया। इस

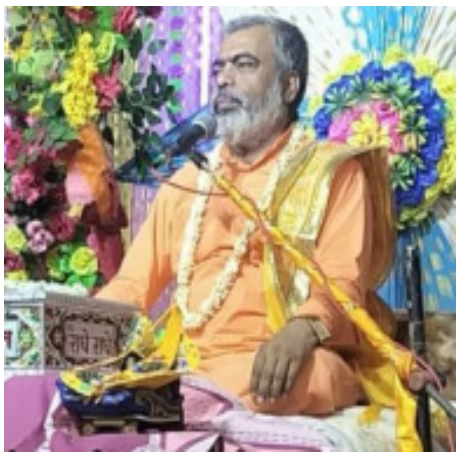

अवसर पर कथा वाचक नीलांशु दास जी महाराज ने भगवान प्रह्लाद भक्त की लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। कार्यक्रम में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा व्यास नीलांशु दास जी महाराज ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को धर्म, सत्य, प्रेम और समर्पण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने जोर दिया कि भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद की लीलाएं जीवन में सकारात्मक सोच और सदाचार अपनाने का संदेश देती हैं। वक्ताओं ने कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों पर जोर दिया। कथा आयोजकों और समस्त श्रृद्धालुओ ने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की। कथा के समापन के बाद सभी उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। कथा प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक होती हैं। इस मौके पर आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष राघवेन्द्र दूबे,संजीव ढाली, देव मणि शुक्ल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, दिनेश पाठक, अनूप सिंह, रवि राघव, हरि शंकर सिंह,संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, राजेश सिंह, अवनीश तिवारी, अवनीश शर्मा, विष्णु शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, अंगद सिंह तोमर,रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, संतोष बिस्वास, बिजेंद्र सिंह, विजय कुमार झा, तिमिर बरोन, प्रदीप कुमार यादव, विकास कुमार, राकेश कुमार,मखन बसु, बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, तुषार, प्रेम जी, टोनी ढाली , सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, अनिमेष मंडल, सहित भारी संख्या में सेक्टर वासी मौजूद रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

शिव नारायण सिंह विधा मंदिर इंटर कॉलेज गौरा के मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया

रायबरेली । माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के मेधावी छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चीफ ऑफिसर लाल संजय प्रताप सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया और कहा कि शिक्षा एक बहुमुखी प्रक्रिया है। शिक्षा मानव जीवन को बेहतर बनाने की आधारशिला है। शिक्षा के बिना मानव जीवन व्यर्थ है। आगे उन्होंने कहा कि जो मेधावी छात्र छात्राएं हैं, उन्हें आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी।मंगलवार को शिव नारायण सिंह विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गौरा रायबरेली में यूपी बोर्ड की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें इंटरमीडिएट स्तर पर जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा जया शुक्ला को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा विद्यालय स्तर पर इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होने वाले लवकुश, सोहनी, रेशमा, राजकुमारी, जानवी, विनीता गुप्ता, अनामिका, आराधना शुक्ला, प्रिंस कुमार, सौमिका यादव को प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। इसी के साथ इंटरमीडिएट मानविकी वर्ग में अंकिता सोनी, रेनू देवी, शीतल द्विवेदी एवं सलोनी को भी प्रतीक चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार हाई स्कूल में रश्मि, नीलू, कशिश सिंह, रवि मौर्य, दिलशाद अली, सुजीत कुमार, प्रिया, साक्षी, अंकुश कुमार और मुस्कान को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्र छात्राओं के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे। सम्मान समारोह का संचालन डॉ सुनील दत्त ने किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। विद्यालय के प्रधानाचार्य चीफ ऑफिसर लाल संजय प्रताप सिंह ने मेधावी छात्र छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देते हुए कहा कि शिक्षक एक मार्गदर्शक होता है। वह विद्यार्थियों को प्रेरित करता है। शिक्षक सदैव विद्यार्थियों का हित चाहता है। जो विद्यार्थी कठिन परिश्रम करते हैं, वे जीवन में सदैव सफल होते हैं। इस अवसर पर परीक्षा प्रभारी लेफ्टिनेंट राजेंद्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रवक्ता सरोज अनिल कुमार, कृपाशंकर मौर्य, दिनेश चंद वर्मा, मुन्नालाल, सुधीन्द्र कुमार, कमीक्षा प्रताप सिंह, अशोक कुमार, ज्ञान बहादुर, लवलेश कुमार, राजकुमार, अनिल कुमार सिंह, राजेश मिश्रा, प्रदीप पांडेय, सुनील सिंह, संजीव यादव, अशोक सिंह,अरुण सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे। इसके अलावा राकेश कुमार सिंह, अमरेंद्र सिंह, सुंदरलाल, भूपेंद्र सिंह, सुशील बाजपेई, जितेंद्र यादव, धीरेन्द्र यादव आदि शिक्षणेत्तर कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

लड़ाई अब सड़कों पर लड़ी जाएगी- ज्वलंत समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने खोला मोर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र की ज्वलंत

समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने खोला मोर्चा, जिलाधिकारी को सौंपा मांग पत्र।सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में आज जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर जनपद की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रेस वार्ता के मुख्य बिंदुः- उम्भा बिजली समस्याः 2019 के नरसंहार के बाद भी उम्भा गांव में बिजली के खुले तार किसी बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकते हैं। विभाग ने विद्युतीकरण का काम अब तक अधूरा क्यों छोड़ा है? स्मार्ट मीटर घोटालाः जनपद में स्मार्ट मीटर के जरिए उपभोक्ताओं से हो रही अवैध वसूली और तकनीकी खामियों की तत्काल जांच की मांग की गई। अवैध खनन व बेरोजगारीः जनपद में अवैध खनन पर रोक लगाने और स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। आदिवासियों के हक की रक्षाः वनाधिकार कानून के तहत आदिवासियों की जमीन पर उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यदि प्रशासन ने इन विषयों पर गंभीरता नहीं दिखाई, तो कांग्रेस पार्टी व्यापक जन-आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। ज्ञापन के समय मौजूद रहे पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, आरटीआई जिलाध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, जिला सचिव शीतला पटेल, इसरार अहमद मौजूद रहे।

शहीद ए आजम भगत सिंह को भारत रत्न की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शहीद ए

आजम भगत सिंह चेतना संस्था सोनभद्र के तत्वाधान में चाचा नेहरू पार्क राबर्ट्सगंज में शहीद भगत सिंह को भारत रत्न से अलंकृत किए जाने हेतु मा0 प्रधानमंत्री जी भारत सरकार के नाम हस्ताक्षर अभियान चलायागया।हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत सरदार अजीत सिंह भंडारी, सरदार प्रितपाल सिंह शिक्षक नेता इंदु प्रकाश सिंह, विवेक सिंह पटेल युवा सपा नेता, राजाराम दुबे जिला अध्यक्ष चतुर श्रेणी, बृजेश श्रीवास्तव मंडल अध्यक्ष, देवानंद पाठक ब्लॉक अध्यक्ष, राकेश चौधरी जिला संगठन मंत्री सहित कई लोगों ने हस्ताक्षर अभियान कर भारत रत्न की मांग की क्रांति सिंह अध्यक्ष शहीद ए आजम भगत सिंह ने चेतना संस्था ने कहा की शहीद भगत सिंह देश के करोड़ों नौजवानों के लिए प्रेरणा स्रोत है!संयोजक अभिषेक मिश्रा ने बताया कि यह हस्ताक्षर अभियान उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे भारतवर्ष में चलाया जाएगा देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीद भगत सिंह वास्तव में भारत रत्न के असली हकदार हैं, , इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

थाना दुद्धी की साइबर टीम की त्वरित कार्यवाही– पीड़ित को वापस कराए रु35,348/- रुपये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल के दिशा-निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। आवेदक अलाउदीन पुत्र अहुर अंसारी निवासी वार्ड नं0-09, कस्बा दुद्धी, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर यूपीआई के माध्यम से रु35,348/- की साइबर ठगी की गई थी। उक्त संबंध में पीड़ित द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत पंजीकृत कराई गई थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा

त्वरित कार्यवाही करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर ठगी की गई धनराशि को होल्ड कराया गया। तत्पश्चात माननीय न्यायालय से धनराशि वापसी का आदेश प्राप्त कराते हुए रु35,348/- की संपूर्ण धनराशि सफलतापूर्वक आवेदक के बैंक खाते में वापस कराई गई। धनराशि प्राप्त होने पर आवेदक द्वारा पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। धनराशि वापस कराने वाली टीमः- प्र0नि0 धर्मेन्द्र कुमार सिंह, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। व0उ0नि0 संजय सिंह, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। का0 मन्तोष कुमार, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। म0का0 संध्या यादव, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र। साइबर जागरूकता हेतु अपीलः-साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। अथवा cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। अपनी बैंकिंग/व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड आदि किसी के साथ साझा न करें।

बैक मेनेजर एवं बैंक सखि ने मिलकर किया लाखों का घपला,और भी लोग इस घपले में हो सकतें सन्लिपत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एन आर एल एम में बैंक सखी ,बैंक मैनेजर, और कैशियर की मिली भगत से लगभग रू0 70 लाख समूह के खातों से निकाला, समूह के सदस्यों को वगैर जानकारी दिए ही कर दिया गया लोन। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री एनआरएलएम के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के प्रयास में जुटे हुए हैं वहीं दूसरी तरफ सोनभद्र में एनआरएलएम के तहत रु0 70 लाख रुपए से अधिक की धनराशि समूह की महिलाओं के खाते में बिना उनके जानकारी दिए ही उनके खातों में लोन के रूप में भेज कर उनके नाम से लोन आवंटित कर दिया गया और बैंक सखी बैंक मैनेजर और कैशियर के मिली भगत से इन पैसों को इन खातों से विड्रोल भी कर लिया गया जब लोन के रिकवरी के लिए समूह की महिलाओं के पास फोन पहुंचा तो उन्होंने बैंक से अपना स्टेटमेंट निकाल स्टेटमेंट निकालने के बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ वही शिकायतकर्ता आशा देवी ने बताया कि वह बैंक गई बैंक सखी के द्वारा उनका पासबुक और सादे विड्रोल वाउचर पर सिग्नेचर कर लिया गया कुछ दिनों बाद जब लोन का पैसा देने के लिए फोन आया तब उन्होंने अपने खाते का स्टेटमेंट निकाल और उन्हें इस बात की जानकारी हुई की बैंक के द्वारा समूह के खाते से उनके खाते में 90000 रुपए भेज दिया गया और उसी दिन उसे पैसे को विड्रॉल भी कर लिया गया हालांकि अभी शिकायत के बाद बैंक सखी के द्वारा इस पूरे मामले का खुलासा किया गया बैंक सखी किरण का कहना है कि बैंक मैनेजर कैशियर के द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के खाते में पैसे भेज कर और उनसे विड्रोल पर सिग्नेचर कराकर उनका पैसा निकाल लिया जाता है और ऐसे लगभग 70 लख रुपए से अधिक की धनराशि अब तक निकल जा चुकी है वहीं बैंक सखी ने बताया कि उसके द्वारा इस मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक सहित अन्य जगहों पर की गई है लेकिन बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि जब बैंक सखी को यह पूरा मामला पहले मालूम था तो उसने पहले ही इस पूरे मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से क्यों नहीं की। स्वयं सहायता समूह की सदस्य व शिकायतकर्ता आशा देवी ने बताया कि बैंक सखी के द्वारा उसका पासबुक ले लिया गया और साडे विड्रोल पर सिग्नेचर कर लिया गया उसे बाद में इस बात की जानकारी हुई कि उसे विड्रोल के माध्यम से समूह के खाते का पैसा उसके खाते में 90000 रुपए भेजा गया और उसी दिन इस पेज को विड्रोल कर लिया गया यह पैसा उसके खाते में लोन के रूप में भेजा गया और जब लोन चुकाने के लिए उसके पास फोन आया तो उसने बैंक स्टेटमेंट निकाल तब जाकर मामले का खुलासा हुआ कि बैंक सखी बैंक मैनेजर और कैशियर के मिली भगत से यह उसके खाते से पैसा निकाल लिया गया है और उसे इस बात की जानकारी भी नहीं हो सकी शिकायतकर्ता का कहना है कि उसके खाते से निकल गए पैसे को वापस किया जाए और इस तरह की हरकत करने वाले लोगों पर कार्रवाई की जाए।, आशा देवी (समूह सदस्य, शिकायतकर्ता) - शिकायतकर्ता के द्वारा शिकायत किए जाने के बाद जब बैंक सखी रावटसगंज कोतवाली पहुंची तो उसने इस बात का खुलासा किया कि यह केवल समूह की एक सदस्य के साथ नहीं बल्कि एक दर्जन से अधिक सदस्यों के साथ इस तरह की कार्यवाही करते हुए समूह के उनको वगैर जानकारी दिए उनके खातों से पैसे निकाले गए हैं । और इसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी किया गया है और मामला कोर्ट में भी पहुंच गया है।

मेडिकल कॉलेज का जिलाअधिकारी ने किया निरीक्षण कमियां पाने पर शक्त निर्देश दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज' की योजना की शुरुआत की। वर्ष 2017 से पहले जहां प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे वही अब 2026 में कुल 65 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज सुविधा मिल रही है या अन्तिम चरण में हैं। 'एक जिला एक मेडिकल कॉलेज'के तहत सोनभद्र में भी मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गयी और वर्ष 2023 से इसमे छात्रों का प्रवेश ही आरम्भ हो चुका है 500 बेड की सुविधा वाले स्वायत मेडिकल कॉलेज में 100 बेड का मातृत्व एवं शिशु अस्पताल, 200 बेड का उच्च सुविधा वाला ट्रॉमा सेन्टर व 200 बेड के सामान्य अस्पताल की सुविधा मिल रही है। सरकार की मंशा तो जनता को उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है लेकिन जिले स्तर पर अधिकारियों की लापरवाही से आये दिन मरीजों व उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कभी अचानक बिजली गुल हो जाने की समस्या, कभी मरीजो को बाहर की दवा लिखे जाने की शिकायत तो कभी साफ सफाई को लेकर हंगामा और सबसे बड़ी समस्या डॉक्टरों की कमी से इलाज में दिक्कत मेडिकल कॉलेज की आये दिन की समस्या बन चुकी है।मेडिकल कॉलेज में गर्मी की शुरुआत में ही 12-12 घण्टे बिजली की कटौती होने से मरीजों को होने वाली दिक्कतों को लेकर तमाम बार शिकायतें भी की गयी और स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन भी सौंपा गया लेकिन समस्या जस की तस बनी रही। इन्ही समस्याओ के मद्देनजर आज नवागत जिलाधिकारी ने मेडिकल कालेज के निरीक्षण किया। मेडिकल कॉलेज के निरीक्षण के दौरान जिले के मुख्य चिकित्साधिकारी,कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज के सभी ब्लाकों का बारीकी से निरीक्षण किया और मरीजो को मिलने वाली सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी हासिल की। निरिक्षण के बाद जिलाधिकारी ने मेडिकल कॉलेज में व्याप्त समस्याओं के बाबत बताया कि उनके द्वारा बिजली की समस्या, साफ सफाई की दिक्कत और स्टॉफ की कमी का होना पाया गया जिसके संबंध में स्थानीय व शासन स्तर से समस्या का निराकरण किये जाने की बात कही गयी।

क्या आप भी रोज चिप्स खाते हैं,डोपामिन के साथ बढ़ती डायबिटीज, हार्ट डिजीज का खतरा, क्रेविंग कम करने की 13 टिप्स

नयी दिल्ली। आज की फास्ट लाइफस्टाइल में चिप्स और फ्रेंच फ्राइज सिर्फ एक स्नैक नहीं, बल्कि आदत बन चुके हैं। हल्की भूख हो, मूवी देखनी हो या बस टाइम पास करना हो, हाथ अपने-आप पैकेट

की तरफ बढ़ जाता है। लेकिन स्वाद और क्रंच के पीछे छिपा सच इतना हल्का नहीं है। रोजाना खाए जाने वाले ये चिप्स धीरे-धीरे शरीर के अंदर कई गंभीर बदलाव शुरू कर देते हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ

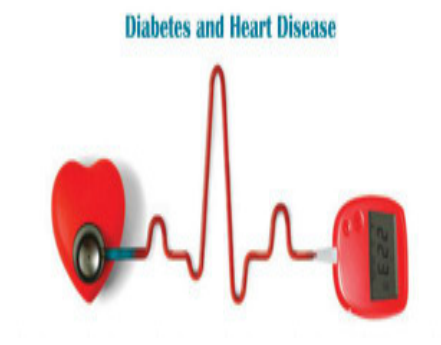

मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, चिप्स में मौजूद हाई सैचुरेटेड फैट से हाइपरटेंशन, कोरोनरी हार्ट डिजीज और डायबिटीज की रिस्क बढ़ता है। ये एक गंभीर चेतावनी है, क्योंकि बहुत से लोग स्नैक की तरह रोजाना चिप्स खाते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम डेली चिप्स खाने के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे।

डायबिटीज का खतरा-रिफाइंड कार्ब्स तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाते हैं। बार-बार शुगर स्पाइक होता है। इससे इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है। रिजल्ट- टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क बढ़ता है। 6. ब्रेन और मूड पर असर-हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' स्पाइक होता है। इससे अच्छा महसूस होता है। बार-बार खाने की क्रेविंग बढ़ती है। रिजल्ट- मूड स्विंग और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। लंबे समय में फोकस और मेमोरी पर असर पड़ता है।

7. डाइजेस्टिव सिस्टम-फाइबर नहीं होता है। ज्यादा खाने से गट माइक्रोबायोम बिगड़ता है। गुना तक ज्यादा होता है। सवाल- क्या रोज चिप्स खाने से इसकी लत भी लग सकती है? जवाब- हां, चिप्स में नमक, फैट और फ्लेवर का ऐसा कॉम्बिनेशन होता है, जो ब्रेन में हैप्पी हॉर्मोन 'डोपामिन' बढ़ाता है। इससे बार-बार खाने की क्रेविंग पैदा होती है, जो धीरे-धीरे लत में बदल सकती है। सवाल- क्या चिप्स छोटे बच्चों के लिए ज्यादा नुकसादायक है? जवाब- हां, छोटे बच्चों के लिए चिप्स ज्यादा नुकसानदायक है, क्योंकि उनका शरीर और इम्यून सिस्टम डेवलपिंग फेज में होता है। बच्चे का विकास प्रभावित हो सकता है। किडनी और हार्ट पर दबाव पड़ता है। दांतों में कैविटी हो सकती है। ज्यादा खाने से वजन तेजी से बढ़ता है। जंक फूड की आदत से इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। भूख कम लगती है। ब्रेन डेवलपमेंट प्रभावित हो सकता है। मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज और हाई बीपी का रिस्क बढ़ता है। सवाल- किन लोगों को चिप्स या अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड से ज्यादा सावधान रहना चाहिए? जवाब- कुछ लोगों के लिए चिप्स और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स ज्यादा नुकसानदायक हो सकते हैं। इसलिए इन्हें खास सावधानी रखनी चाहिए। जैसेकि- जो हार्ट पेशेंट्स हैं। जिन्हें हाई ब्लड प्रेशर है। जिन्हें किडनी डिजीज

साथ ही जानेंगे कि- जब हम चिप्स खाते हैं तो शरीर में क्या होता है? चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? सवाल- अगर कोई रोज चिप्स खाए तो उससे शरीर पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शुरुआत में यह मामूली आदत लग सकती है, लेकिन धीरे-धीरे इसका शरीर पर नकारात्मक असर पड़ता है। सवाल- चिप्स खाने से इन बीमारियों का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- 1. मोटापा (ओबिसिटी) चिप्स में कैलोरी और फैट हाई होता है। 50 ग्राम चिप्स में करीब 400 कैलोरी होती है। इसे खाने के बाद सेटायटी (संतुष्टि) नहीं होती। चिप्स का सारा फैट पेट और कमर पर जमा होता है। रिजल्ट- इससे मोटापा, फैटी लिवर, हॉर्मोनल असंतुलन का रिस्क बढ़ जाता है। 2. हार्ट डिजीज- चिप्स में ट्रांस फैट प्लस सैचुरेटेड फैट ज्यादा होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) बढ़ता है। गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) घटता है। आर्टरीज में फैट जमने लगता है। रिजल्ट- हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है-3. हाई ब्लड प्रेशर-चिप्स में नमक बहुत ज्यादा होता है। इससे शरीर में वाटर रिटेंशन होता है और ब्लड वॉल्यूम बढ़ता है। रिजल्ट- बीपी बढ़ता है। इससे हार्ट और किडनी पर दबाव बढ़ता है। 4. किडनी पर रिजल्ट- कब्ज, गैस, ब्लोटिंग की समस्या होती है। इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। 8. कैंसर का रिस्क-हाई टेम्परेचर पर तलने से एक्रिलामाइड नामक केमिकल बनता है। यह शरीर के लिए टॉक्सिक माना जाता है रिजल्ट- लंबे समय में कैंसर का रिस्क हो सकता है। 9. इम्यूनिटी पर असर- ट्रांस फैट इम्यून सेल्स की कार्यक्षमता को कम करता है। इससे शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कमजोर हो जाती है। रिजल्ट- धीरे-धीरे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। सवाल- अगर कोई रोज एक पैकेट (48 ग्राम) चिप्स खाए तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और पाम ऑयल खाएगा? जवाब- 48 ग्राम के एक पैकेट चिप्स में औसतन 1.3 ग्राम नमक, 11.4 ग्राम चीनी और 46 ग्राम पाम ऑयल (फैट) होता है। अगर कोई एक पैकेट चिप्स रोज खाता है तो वह साल भर में कितना नमक, चीनी और तेल कंज्यूम करेगा। चिप्स में नमक, चीनी और तेल के अलावा कई हिडेन कंपाउंड्स होते हैं, जो लंबे समय में शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सवाल- क्या कोई ऐसी साइंस स्टडी या रिसर्च है, जो बताए कि चिप्स खाना सेहत के लिए नुकसानदायक है? जवाब- हां, आपको शायद ये जानकर आश्चर्य हो कि अब तक लाखों है। जो मोटापा या ओवरवेट से परेशान हैं। जो डायबिटिक या प्री-डायबिटिक हैं। जो वेट लॉस कर रहे हैं।छोटे बच्चे गर्भवती महिलाएं बुजुर्ग सवाल- पैकेट वाले चिप्स और घर के बने चिप्स में क्या फर्क है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- पैकेट चिप्स फैक्ट्री में बनते हैं। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड होते हैं। नमक, फ्लेवर और प्रिजर्वेटिव्स ज्यादा होते हैं। रिफाइंड/बार-बार इस्तेमाल किया तेल रीयूज किया जाता है। ज्यादा खाने की क्रेविंग बढ़ाते हैं। घर पर बने चिप्स ताजे आलू से बने होते हैं। नमक और मसाले सीमित होते हैं। कोई केमिकल या प्रिजर्वेटिव नहीं होता है। तेल की क्वालिटी और मात्रा ठीक होती है। ध्यान रखें- चिप्स चाहे पैकेज्ड हों या घर पर बने हों, ये रोज खाने के लिए सही नहीं हैं। घर के बने चिप्स कभी-कभार खा सकते हैं।सवाल- चिप्स का हेल्दी विकल्प क्या है? जवाब- कुछ हेल्दी और टेस्टी विकल्प हैं, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं, सवाल- चिप्स खाने की आदत को कैसे कंट्रोल करें? जवाब- चिप्स खाने की आदत क्रेविंग और हैबिट से जुड़ी होती है। इसे कंट्रोल करने के लिए कुछ स्मार्ट तरीके अपनाना जरूरी है। डॉक्टर साकेत कांत के मुताबिक, महीने में 1-2 बार खा सकते हैं। लेकिन रोज या बार-बार खाना बेहद नुकसानदायक है।

हमारी शादी हुई हैं जल्द ही हम माता-पिता बनने वाले हैं पर अनुभव की कमी हैं,अच्छा अभिवावक बनने के लिए सबसे जरूरी क्या है?

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी वेक साथ सवाल जवाब वेक माध्यम से। सवाल- मैं अहमदाबाद से हूं। मेरी शादी को 3 साल हो गए हैं। जल्द ही हम पेरेंट बनने वाले हैं। जाहिर है, इस कारण हमारी एंग्जाइटी टिप्स दे सकते हैं कि हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

जवाब- सबसे पहले आप दोनों को इस नई यात्रा के लिए बहुत बधाई। पढ़कर खुशी हुई कि आप इस नई जिम्मेदारी से पहले खुद को तैयार कर रहे हैं। अवेयरनेस ही अच्छी पेरेंटिंग की पहली सीढ़ी है। सबसे पहले तो ये समझिए कि जब बच्चा दुनिया में आता है तो उसे सुख-सुविधाओं वाले पेरेंट्स से ज्यादा हैप्पी पेरेंट्स की जरूरत होती है। माता-पिता का खुश रहना ही बच्चे के लिए सबसे खूबसूरत तोहफा है। वियतनामी बौद्ध भिक्षु और मशहूर राइटर तिक न्यात हन्ह ने अपनी किताब 'फिडिलिटी: हाउ टू क्रिएट लविंग

रिलेशनशिप दैट लास्ट्स' में इस बारे में लिखा है-किताबें पढ़ना और पॉडकास्ट सुनना अच्छी बात है, क्योंकि ये हमें दिशा देते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि पेरेंटिंग की असली नींव किसी ट्रेंड या तकनीक पर नहीं, बल्कि घर के माहौल पर टिकी होती है। बच्चा सबसे पहले अपने आसपास के वातावरण से ही सीखता है। अच्छी पेरेंटिंग कोई हेलीकॉप्टर पेरेंटिंग करना या सुपर मॉम-डैड होना नहीं है। पेरेंट होने की जो एकदम बेसिक जिम्मेदारी है, वो है बच्चे को अनकंडीशनल प्यार और सिक्योरिटी देना।अक्सर हम बच्चे के आने की तैयारी कपड़ों, खिलौनों और कमरे की सजावट से करते हैं। लेकिन भावनात्मक तैयारी को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि पेरेंटिंग की असली शुरुआत बच्चे के जन्म से पहले हमारी सोच, हमारे रिश्ते और हमारे धैर्य से हो जाती है। ऐसे में नए पेरेंट्स के लिए जरूरी है कि वे खुद को मानसिक रूप से तैयार करें। यह समझें कि पेरेंटिंग कोई परफॉर्मेंस नहीं है, बल्कि यह सीखने की निरंतर प्रक्रिया है। आप जितने मजबूत और संतुलित होंगे, बच्चे को उतना ही सुरक्षित और खुशहाल माहौल दे पाएंगे। इस तैयारी को आसान बनाने के लिए यह छोटी-सी चेकलिस्ट मददगार हो सकती है-इमोशनली तैयार रहें पेरेंटिंग सिर्फ फिजिकल नहीं, इमोशनल जिम्मेदारी भी है। बच्चे के आने के बाद आपकी नींद, रूटीन और प्राथमिकताएं बदलती हैं। अगर आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे तो बदलाव को स्वीकार करना आसान होगा और बच्चे को ज्यादा स्थिर माहौल दे पाएंगे। अपने रिश्ते में मधुरता रखें-बच्चे बड़े होते हुए पेरेंट्स के रिश्ते को देखते और महसूस करते हैं। अगर घर में आपसी सम्मान और प्यार है तो वही उनके व्यवहार में भी झलकता है। पार्टनर के साथ स्वस्थ और संतुलित रिश्ता बनाए रखना पेरेंटिंग का अहम हिस्सा है। सुनने की आदत डालें-अक्सर पेरेंट्स बच्चों को समझाने पर ज्यादा ध्यान देते हैं, उन्हें सुनने पर कम। लेकिन एक अच्छा पेरेंट वही है, जो बच्चे की बातों, भावनाओं और छोटे-छोटे एक्सप्रेशंस को ध्यान से समझे। इससे बच्चे को यह महसूस होता है कि उसकी बात मायने रखती है। इसलिए अभी से सुनने की आदत डालें। धैर्य का अभ्यास करें-बच्चे तुरंत नहीं सीखते, वे धीरे-धीरे समझते हैं। एक ही गलती बार-बार दोहराते हैं। ऐसे में गुस्सा करने की बजाय धैर्य रखना जरूरी है।आपका शांत-सरल व्यवहार ही बच्चे को सही मार्गदर्शन देता है। गलतियां स्वीकारना सीखें-कोई भी पेरेंट परफेक्ट नहीं होता। अगर गलती हो जाए तो उसे स्वीकार करें। इससे बच्चा भी अपनी गलतियों को स्वीकारना सीखता है और रिश्ते में भरोसा बढ़ता है। पेरेंटिंग को 'प्रोजेक्ट' न समझें- पेरेंटिंग कोई टास्क या प्रोजेक्ट नहीं है, जिसे परफेक्ट तरीके से पूरा करना है।

नेचुरल लैक्सेटिव,कब्ज से दिलाए राहत,पाचन रखे दुरुस्त एक्सपर्ट से जानें डाइट में कैसे शामिल करें

नयी दिल्ली। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में खराब लाइफस्टाइल और अनियमित खानपान के कारण कब्ज एक कॉमन समस्या बन गई है। अगर लंबे समय तक कब्ज बना रहे तो इससे बॉडी फंक्शनिंग और ओवरऑल हेल्थ प्रभावित होती है। 'एबॉट' की गट हेल्थ सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 22फीसदी वयस्कों को कब्ज है। इनमें से 13फीसदी लोग गंभीर रूप से प्रभावित हैं। अक्सर लोग कब्ज से राहत के लिए दवाएं लेते हैं। जबकि नेचुरल लैक्सेटिव कब्ज से राहत दिला सकते हैं। ये ऐसे फूड या सब्सटेंस होते हैं, जिससे बाउल मूवमेंट सुधरता है। इससे स्टूल सॉफ्ट हो जाता है और कब्ज की समस्या नहीं होती है। इसलिए आज जरूरत की खबर में जानेंगे कि-नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं? ये शरीर में कैसे काम करते हैं? किन फूड्स में नेचुरल लैक्सेटिव होता है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नृपेन साइकिया, सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोलॉजी, पीएसआरआई हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- लैक्सेटिव क्या होते हैं? जवाब- लैक्सेटिव यानी ऐसी दवाएं या खाने की चीजें, जो कब्ज में राहत देकर पेट साफ करने में मदद करती हैं। लैक्सेटिव अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। आमतौर पर डॉक्टर पेट साफ न होने पर लैक्सेटिव्स देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव क्या होते हैं?जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव यानी ऐसी नेचुरल चीजें जो पेट साफ करने में मदद करती हैं। इसमें फाइबर से भरपूर फल, सब्जियां, होल ग्रेन्स शामिल हैं। आर्टिफिशियल लैक्सेटिव की तरह इनमें केमिकल नहीं होता है। ये आमतौर पर रोजमर्रा के खाने का ही हिस्सा होते हैं और धीरे-धीरे, नेचुरल तरीके से कब्ज में राहत देते हैं। सवाल- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में कैसे काम करते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव शरीर में दो तरह से काम करते हैं। इनमें मौजूद फाइबर और पानी स्टूल (मल) को मुलायम बनाते हैं, जिससे ये आसानी से पास हो सकें। कुछ नेचुरल ऑप्शन आंतों की हल्की मूवमेंट बढ़ाकर बॉवेल को नियमित रखते हैं। सवाल- कौन से फूड्स नेचुरल लैक्सेटिव होते हैं? जवाब- नेचुरल लैक्सेटिव वो फाइबर रिच फूड होते हैं, जो पेट को साफ रखने में मदद करते हैं। कुछ फल नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करते हैं। पपीता, अमरूद, सेब (छिलके सहित), नाशपाती, केला (पका हुआ), संतरा, मौसंबी, अंगूर, कीवी और अनार जैसे फल फाइबर से भरपूर होते हैं। फाइबर स्टूल का वॉल्यूम बढ़ाता है और उसे सॉफ्ट बनाता है, जिससे बाउल मूवमेंट आसान हो जाती है। इसके अलावा इन फलों में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो बॉडी को हाइड्रेट रखती है और कब्ज की समस्या कम करती है। अंजीर (ताजा/सूखा) अंजीर में हाई फाइबर होता है, खासकर इसके छोटे-छोटे बीज आंतों को स्टिमुलेट करते हैं। यह स्टूल को सॉफ्ट बनाता है और आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए इसे पहले के समय में कब्ज के घरेलू उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। प्रून्स (सूखा आलूबुखारा) प्रून्स में एक नेचुरल तत्व 'सॉर्बिटोल' होता है।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे,ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

नयी दिल्ली। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग विवाद में फंस गए हैं। मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान वह ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट

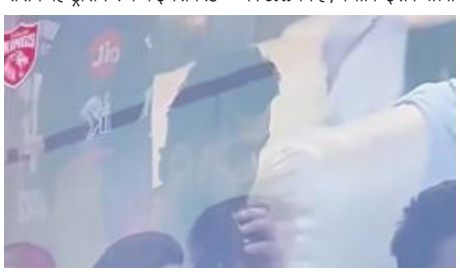

पीते कैमरे में कैद हुए। इस मामले में भारतीय बोर्ड बीसीसीआई ने पराग से जवाब मांगा है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि बोर्ड ने इस हरकत के लिए रियान पराग से जवाब मांगा है। लाइव ब्रॉडकास्ट की यह क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो राजस्थान की बल्लेबाजी के 16वें ओवर का है। इसमें पराग ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल की मौजूदगी में कथित तौर पर ई-सिगरेट पीते दिख रहे हैं।रियान पराग का ई-सिगरेट पीना गलत माना जा रहा है। भारत सरकार ने 'ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019' के तहत वेप्स और ई-सिगरेट के उत्पादन, बिक्री, आयात और विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाया है। उल्लंघन पर जुर्माने और जेल की सजा का प्रावधान है। ऐसे में एलीट एथलीट और टीम कप्तान का सार्वजनिक मंच पर इसका इस्तेमाल कानून और खेल की मर्यादा का उल्लंघन माना जा रहा है।बीसीसीआई सचिव से जवाब मांगा गया, सख्त कार्रवाई की उम्मीद- इस मामले पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया से प्रतिक्रिया मांगी गई है। माना जा रहा है कि बोर्ड इसे गंभीरता से लेगा। एथलीट के लिए वेपिंग (ई-सिगरेट) स्वास्थ्य के लिहाज से खतरनाक है। यह सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है, क्योंकि इसके तत्वों की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। देश में यह प्रतिबंधित है। बीसीसीआई कप्तान और फ्रेंचाइजी से जवाब तलब कर सकता है। राजस्थान रॉयल्स इस IPL सीजन में दूसरी बार प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर चर्चा में है। इससे पहले टीम के मैनेजर रोमी भिंडर डगआउट में मोबाइल इस्तेमाल करते पकड़े गए थे, जो प्लेयर मैच ऑपरेशंस एरिया प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। उस मामले में बीसीसीआई ने जांच के बाद मैनेजर पर जुर्माना लगाया था और चेतावनी दी थी। अब कप्तान का वीडियो सामने आने के बाद टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और युवाओं पर असर की चिंता-रियान पराग युवा पीढ़ी के रोल मॉडल माने जाते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, वेपिंग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे खिलाड़ियों की फेफड़ों की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। भारत में वेपिंग गैर-कानूनी है, इसलिए बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल इस पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपना सकती है। जांच में दोष सिद्ध होने पर पराग पर मैच बैन या जुर्माना लगाया जा सकता है।

ग्रॉसरी शॉपिंग से सर्जरी तक कन्फ्यूजन का सबसे बेहतर हल है 'चेकलिस्ट'

जब आप अगला पैराग्राफ पढ़ना शुरू करेंगे तो यकीन मानिए

उसे दोबारा पढ़ेंगे, क्योंकि वह काफी कन्फ्यूजिंग है। और अगर आप पूरा लेख पढ़ेंगे तो समझ जाएंगे कि जिंदगी में गलतियां क्यों होती हैं। अधिकतर गलतियां इसलिए नहीं होतीं कि हमें जानकारी नहीं होती, बल्कि हम अपनी जानकारी को सही से लागू नहीं कर पाते। तो फिर हल क्या है? एक चेकलिस्ट बनाइए। अब आप कन्फ्यूजन के लिए तैयार हो जाइए, और आगे इसे दूर करने का तरीका भी है।पिछले महीने एक-दूसरे से अनजान राधिका देवी और राधिका सिंह को एक ही समय पर वाराणसी के बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) के ट्रॉमा सेंटर में अलग-अलग भर्ती किया गया। राधिका देवी 71 साल की और राधिका सिंह 82 वर्ष की थीं। राधिका देवी न्यूरो डिपार्टमेंट में बेड नंबर 29 पर थीं। राधिका सिंह ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट में बेड नंबर 17 पर थीं। राधिका देवी की स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी, जबकि राधिका सिंह का हिप रिप्लेसमेंट होना था। दोनों की सर्जरी का समय एक ही था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 7 मार्च को सिंह की जगह देवी को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। एनेस्थीसिया देने के बाद सर्जिकल टीम ने देवी का ऑपरेशन शुरू कर दिया। जब सीनियर रेजिडेंट को ऑपरेशन की जगह पर अपेक्षित स्थिति नहीं दिखी तो टीम ने सीनियर डॉक्टर को अलर्ट किया। इसी बीच, नर्सिंग स्टाफ ने बताया कि थिएटर में गलत मरीज आ गया है। पूरी प्रक्रिया रोकी गई और परिवार को बिना कुछ बताए ही देवी को वापस भेज दिया गया। बाद में 18 मार्च को उनकी स्पाइनल ट्यूमर सर्जरी हुई और कुछ जटिलताएं होने के कारण 28 मार्च को उनकी मृत्यु हो गई। यह चूक तब सामने आई, जब उनके पोते मृत्युंजय पाल ने बीएचयू में इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के डायरेक्टर से शिकायत की।चूंकि हम में से ज्यादातर लोग मेडिकल प्रोफेशनल नहीं हैं, तो आइए आपको ग्रॉसरी स्टोर ले चलता हूं। सोचिए कि आपके परिवार ने शनिवार को दादाजी का 90वां बर्थडे मनाने का फैसला किया। आपकी पत्नी केक बनाना चाहती हैं। उन्होंने आपको किराने की लिस्ट दी, जो सामान आपको शुक्रवार शाम ऑफिस से लौटते वक्त लाना था। जब आप शेल्फ से सामान उठा रहे होते हैं तो बॉस का फोन आता है और वह चिल्लाते हैं कि आपने काम पूरा नहीं किया। सोने से पहले इसे पूरा कर देना। गुस्से और कन्फ्यूजन में आप मैदा भूल जाते हैं। नतीजतन, आपकी पत्नी केक नहीं बना पाएंगी। दोनों ही मामलों में जानकारी तो थी, लेकिन उसका उपयोग गलत हो गया। तो क्या करें? मुझे करीब दो दशक पहले पढ़ी डॉ. अतुल गवांडे की किताब 'द चेकलिस्ट मैनिफेस्टो' याद है, जिसमें गवांडे ऐसा समाधान बताते हैं, जिसे अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने भी अपनाया है। पेशे से सर्जन रहे लेखक लंबे व्यक्तिगत अनुभव के जरिए चेकलिस्ट कॉन्सेप्ट समझाते हैं। उन्होंने न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों में चेकलिस्ट के असर पर रिसर्च की, बल्कि अस्पतालों में इसे लागू भी किया। वे कहते हैं कि कोई असामान्य घटना हो जाए तो कोई व्यक्ति वो काम भी भूल सकता है, जो वह सामान्यतः करता है। दूसरी बात, हम कम महत्वपूर्ण स्टेप्स छोड़ देते हैं, क्योंकि पिछली बार छोड़ा तो कुछ नहीं हुआ था। कोई कह सकता है कि 'यह कभी समस्या नहीं रही', लेकिन क्या गारंटी है कि अगली बार नहीं होगी? गवांडे कहते हैं कि हम चेकलिस्ट जैसी साधारण चीज के जरिए ऐसी विफलताओं से बच सकते हैं। यह हमें जरूरी स्टेप्स याद दिलाती है और उन्हें स्पष्टतः सामने रखती है। यह न सिर्फ वेरिफिकेशन संभव बनाती है, बल्कि बेहतर प्रदर्शन के लिए अनुशासन का भाव भी पैदा करती है। फंडा यह है कि अगली बार जब आप अपने जीवन या वर्कप्लेस पर किसी बड़े काम पर ध्यान दे रहें हों तो चेकलिस्ट जैसी छोटी चीज बनाना और इसे जांचते हुए टिक करना जरूर याद रखिएगा।
एन. रघुरामन

महिला आरक्षण के मायने तभी जब सभी को समान मौके मिलें

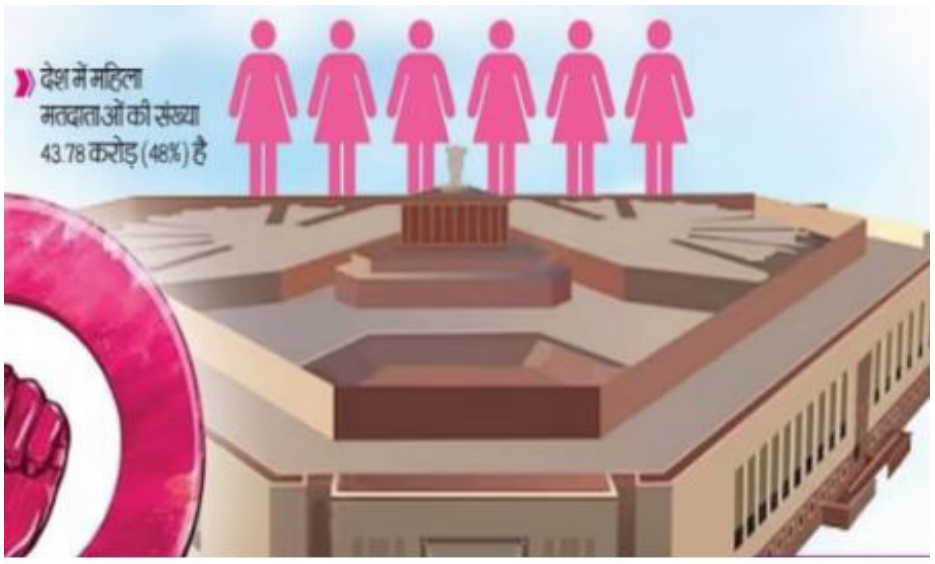

महिला आरक्षण को विधायिकाओं में महिलाओं के अल्प-प्रतिनिधित्व को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। लेकिन उत्सव के बीच एक असहज करने वाली चुप्पी भी मौजूद है और यह चुप्पी इस मूल प्रश्न पर है कि ये महिलाएं कौन होंगी, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, कौन नहीं होंगी? भारतीय राज्य ने ऐतिहासिक रूप से असमानता की बहुस्तरीय प्रकृति को स्वीकारा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं था, बल्कि उस गहरी संरचनात्मक वंचना की स्वीकृति था, जिसने सदियों तक इन समुदायों को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा। लेकिन जब बात महिलाओं के आरक्षण की आती है, तो एक खतरनाक सरलीकरण सामने आता है, मानो महिलाएं एक समान श्रेणी हों, जिनके अनुभव और अवसर एक जैसे हों। वास्तविकता यह है कि समाज में सत्ता के ढांचे- पितृसत्ता, जाति और वर्ग- अलग-अलग नहीं चलते, बल्कि एक-दूसरे में गुंथे हुए हैं। एक दलित महिला का जीवन-अनुभव एक सवर्ण महिला से भिन्न होता है। एक आदिवासी महिला के सामने आने वाली चुनौतियां लैंगिक आधार पर ही नहीं समझी जा सकतीं। इन अंतरों को नजरअंदाज करना, विधायी सुविधा के नाम पर सामाजिक यथार्थ को मिटा देना है।यही कारण है कि कोटा के भीतर कोटा की मांग महज तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की अवधारणा को सार्थक बनाने का प्रयास है। इसके अभाव में यह लगभग तय है कि आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक सीमित रह जाएगा, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। हाशिये के समुदायों की महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश की बाधाएं- आर्थिक संसाधनों की कमी, सामाजिक नेटवर्क का अभाव, दलगत समर्थन की सीमाएं, गहरे पैठे जातिगत पूर्वग्रह- सिर्फ आरक्षण की घोषणा से समाप्त नहीं होतीं। बल्कि प्रतिस्पर्धा के इस नए परिदृश्य में वे और अधिक तीव्र हो सकती हैं।

इस परिदृश्य में एक गंभीर आशंका उभरती है- महिला सशक्तीकरण का नारा कहीं अभिजात्य वर्ग की शक्ति को और सुदृढ़ करने का माध्यम न बन जाए। यह आशंका काल्पनिक नहीं है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के अनुभव इस दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से बढ़ी, लेकिन अनेक अध्ययनों ने यह भी दिखाया कि इसका लाभ अकसर प्रभावशाली सामाजिक समूहों की महिलाओं तक ही सीमित रहा।

वंचित समुदायों की महिलाएं या तो इससे बाहर रहीं या सत्ता के स्थापित ढांचों के भीतर प्रतीकात्मक उपस्थिति तक सीमित हो गईं। प्रतिनिधित्व इस बात का प्रश्न है कि कौन बोल रहा है, किसके अनुभवों को स्थान मिल रहा है और किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसी महिला का निर्वाचित पद पर होना अपने आप में सभी महिलाओं के हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रतिनिधित्व तभी सम्भव है जब विविध सामाजिक पृष्ठभूमियों की महिलाएं निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बनें। यही वह बिंदु है जहां कोटा के भीतर कोटा की आवश्यकता स्पष्ट हो जाती है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए आनुपातिक आरक्षण सुनिश्चित करना किसी प्रकार का विभाजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने का प्रयास है। यह इस मूल सत्य की स्वीकृति है कि समानता का अर्थ केवल अवसरों की औपचारिक उपलब्धता नहीं, बल्कि उन बाधाओं को पहचानना और दूर करना भी है, जो विभिन्न समूहों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करती हैं। इसके विरोध में तर्क दिया जाता है कि इससे व्यवस्था अत्यधिक जटिल हो जाएगी।

लेकिन जटिलता को अन्याय का औचित्य नहीं बनाया जा सकता। भारतीय संविधान ने दिखाया है कि वह सामाजिक वास्तविकताओं की जटिलताओं को समाहित करने में सक्षम है। कोटा के भीतर कोटा केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं करता, बल्कि शक्ति के संतुलन को बदलने का प्रयास करता है। साथ ही, यह महिलाओं की श्रेणी के भीतर भी मौजूद असमानताओं को भी उजागर करता है।

कहीं आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक ही सीमित नहीं रह जाए, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं- सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई।

तब हाशिये के समुदायों की महिलाओं का सशक्तीकरण कैसे होगा? (ये लेखक के अपने विचार हैं प्रो. मनोज कुमार झा)

लोगों का जीवन सुधारने के लिए अमीर बनने का इंतजार जरूरी नहीं

कई वर्षों बाद पिछले महीने केरल जाना मेरे लिए सुखद अनुभव रहा। 1980 के दशक में जब मैं पीएचडी कर रहा था तो केरल अपने बेहतरीन

जाना जाने लगा था। मसलन, सामाजिक संकेतकों के लिए केरल में 71फीसदी वयस्क महिलाएं साक्षर थीं, जबकि पूरे भारत में सिर्फ 26फीसदी थीं। शिशु मृत्यु दर 1,000 जन्मों पर 37 थी, जबकि भारत में यह 110 थी। ये उपलब्धियां तब थीं, जब केरल देश के सबसे गरीब राज्यों में से एक था।

इससे पता चलता है कि गरीब देशों को लोगों का जीवन सुधारने के लिए अमीर बनने का इंतजार करने की जरूरत नहीं।

विकास के शुरुआती दौर में भी सरकार और समाज ऐसे कदम उठा सकते हैं, जिनसे हर व्यक्ति की बुनियादी जरूरतें पूरी हों। सभी को अच्छी शिक्षा देना इसका उदाहरण है, जो 'केरल मॉडल' का आधार है।

याद रखें, पुराने दिनों में केरल का सामाजिक ढांचा बेहद दमनकारी था। जब स्वामी विवेकानंद 19वीं सदी के अंत में केरल गए तो जाति-भेद की कठोरता देखकर विचलित हुए थे।

वंचित जातियों को शिक्षा के अधिकार के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा है 1980 के दशक में जब केरल दुनिया में चर्चित होने लगा, तब कुछ विद्वानों ने चेतावनी दी कि केरल मॉडल टिकाऊ नहीं है।

आर्थिक निवेश के बजाय सामाजिक विकास को प्राथमिकता देने की केरल को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इन भविष्यवाणियों के विपरीत, केरल में सामाजिक संकेतक बेहतर होते रहे और लोगों की आय भी तेजी से बढ़ी। इसका कारण था कि राज्य की अर्थव्यवस्था बढ़ने लगी थी और बहुत से केरलवासी दुबई, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों में काम करने लगे। राज्य के अंदर और बाहर, दोनों ही जगह केरल ने अपने मानव संसाधन विकास का फायदा उठाया।कई मायनों में आज केरल का जीवन-स्तर तथाकथित विकसित देशों के बराबर है। उदाहरण के लिए, शिशु मृत्यु दर अब 1,000 जीवित जन्मों पर सिर्फ 5 है, जो अमेरिका से थोड़ी ही कम है। पूरे भारत में यह लगभग 25 है। इसी तरह, केरल में अधिकतर बच्चों को तीन साल की उम्र से ही प्री-स्कूल शिक्षा मिल जाती है, जबकि अमेरिका में यह सुविधा मुश्किल से आधे बच्चों को मिलती है। केरल कई क्षेत्रों में देश से भी आगे निकल गया है। देश की सबसे मजबूत और सक्रिय ग्राम पंचायत, स्वयं-सहायता समूह और सहकारी संस्थाएं केरल में हैं। इनमें यूएलसीएसएस नामक एक सहकारी निर्माण कंपनी भी शामिल है, जहां 18,000 मजदूर बिना किसी मालिक के काम करते हैं। केरल में प्रवासी मजदूरों और निराश्रित परिवारों के लिए प्रगतिशील नीतियां भी हैं। 2018 की भयानक बाढ़ और कोविड संकट में भी केरल ने सामाजिक एकजुटता की मिसाल पेश की थी।

पिछले महीने केरल जाने पर मैंने एक और गुण देखा- जिम्मेदार नागरिकता की भावना। सुविधाघरों समेत सार्वजनिक जगहें बहुत साफ-सुथरी थीं।

गाड़ियां जेब्रा क्रॉसिंग पर रुकती हैं। लोग लाइन में खड़े होते हैं। कूड़ेदान का सही उपयोग होता है।

और यह सब बिना किसी जोर-जबरदस्ती के होता है, क्योंकि समाज में सार्वजनिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो चुकी है। मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि केरल हर तरह से आदर्श है।वहां भी कई समस्याएं हैं, जैसे आत्महत्या की ऊंची दर और शिक्षित बेरोजगारी। लेकिन जब भारत 2047 तक विकसित बनने की कोशिश कर रहा है, तो उसे केरल से सीख लेनी चाहिए।(ज्यां द्रेज)

प्रकृति को छेड़ेंगे तो वह अपना विपरीत ही आपको सौंपेगी

देर रात की पार्टियां अब महंगी पड़ रही हैं। इनमें नशे का खेल

चल रहा है। मौज-मस्ती की आड़ में आनंद अनैतिक होता जा रहा है। नई पीढ़ी के बच्चे, जो रात की पार्टियां करते हैं, उनमें से कई के तो माता-पिता को मालूम भी नहीं कि देर रात ये कहां हैं। कुछ घरों में इन बच्चों के माता-पिता खुद ऐसी पार्टी कर रहे हैं। इस समय मिडिल-एज के माता-पिता के बच्चे जवान हो गए। वो अपने चरित्र में गम्भीरता नहीं ला पा रहे हैं। वो अभी भी अपने को उसी उम्र में समझ रहे हैं और उसमें आकर उनके बच्चे जुड़ गए। इसलिए समाज का दृश्य बड़ा विचित्र हो गया। मनोवैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि किशोर होने की उम्र 11 साल हो गई, जो पहले लगभग 15-16 साल थी। बच्चे उम्र से पहले जवान हो रहे हैं। अपोजिट जेंडर के प्रति उत्सुकता होना स्वाभाविक है। लेकिन अब नई बात निकलकर आई कि 11 वर्ष के किशोर भी जेंडर बदलने की तमन्ना रख रहे हैं। यह भी कुदरत से छेड़छाड़ है और प्रकृति को जब भी छेड़ा जाएगा, वह अपना विपरीत आपको सौंपेगी। पं. विजयशंकर मेहता।

भाजपा के लिए बंगाल चुनाव क्यों बहुत मायने रखता है? सबकी नज़र अब नतीजों प

असम, केरल, तमिलनाडु, बंगाल और पुडुचेरी के चुनाव भाजपा के दबदबे वाले क्षेत्रों में नहीं हो रहे हैं। ये सच है कि पूर्वोत्तर में- असम सहित- भाजपा का अब काफी नियंत्रण है, लेकिन बंगाल जीते बिना

कोई भी पार्टी यह नहीं कह सकती कि उसका पूर्वी भारत पर दबदबा हो गया है। जैसे महाराष्ट्र में प्रमुख स्थिति हासिल किए बिना हम यह नहीं कह सकते थे कि पश्चिम भारत में भाजपा का पूरा प्रभाव है, जबकि गुजरात में पिछले दो दशकों से उसकी मजबूत पकड़ रही है। ऐसा क्यों है? क्योंकि जनसंख्या के हिसाब से महाराष्ट्र और बंगाल हमारे दूसरे और तीसरे सबसे बड़े राज्य हैं- बिहार के विभाजन के बाद दोनों अब उससे आगे हो गए हैं। लेकिन ब्रिटिश राज के समय से ही इन राज्यों का एक ऐतिहासिक महत्व भी रहा है। दिल्ली के विपरीत- मुम्बई और कोलकाता- जो महाराष्ट्र व बंगाल की राजधानियां हैं- ब्रिटिश राज से पहले मछुआरों की बस्तियां हुआ करते थे। ब्रिटिश राज के बढ़ने के साथ ये भारत के सबसे महत्वपूर्ण शहरों में बदल गए- राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक रूप से। इन्होंने आधुनिकता के आगमन का नेतृत्व किया, जिसमें उम्मीदें थीं और चुनौतियां भी। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बंगाल में 42 में से केवल 2 सीटें मिली थीं और 2016 के विधानसभा चुनाव में 294 में से 3 सीटें मिलीं। लेकिन उसके बाद भारी प्रचार और बाकी पार्टियों से बहुत ज्यादा खर्च करने के बाद उसने मजबूत आधार बना लिया और वह राज्य में टीएमसी के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। उसने माकपा- जिसने 34 साल (1977-2011) तक बंगाल पर शासन किया, और कांग्रेस- जिसकी राज्य में अच्छी मौजूदगी थी- दोनों को पीछे छोड़ दिया। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटें और 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतीं और 38-40% वोट हासिल किए। भाजपा ने बंगाल पर इतना ज्यादा ध्यान क्यों दिया? हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा में सावरकर को सबसे बड़ा वैचारिक नेता माना जाता है, लेकिन बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को पहला हिंदू राष्ट्रवादी माना जाता है और वंदे मातरम् को पहला हिंदू राष्ट्रवादी गीत माना जाता है।बंकिम का साहित्यिक काम 1880 के दशक से जुड़ा है, जो सावरकर के हिंदू राष्ट्रवादी लेखन से लगभग चार दशक पहले का है। इसके अलावा, श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के पहले अध्यक्ष थे, जो भाजपा की पूर्व पार्टी थी। भाजपा की विचारधारा के अनुसार, हिंदू राष्ट्रवाद की पहली शुरुआत बंगाल में हुई थी। लेकिन एक अहम मौजूदा कारण भी है। यह बंगाल में मुस्लिम वोटरों की संख्या से जुड़ा है। इस राज्य में भारत में मुसलमानों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है। राज्य की कुल आबादी में से लगभग 30% मुस्लिम हैं, जो 34% वाले असम के बाद दूसरे स्थान पर हैं। (जब जम्मू और कश्मीर एक राज्य था- जहां मुसलमान बहुमत में थे- तब बंगाल तीसरे स्थान पर था)। मुस्लिम वोटरों की संख्या बंगाल को बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती है। अगर भाजपा बंगाल जीतती है, तो यह तभी संभव होगा जब हिंदू समुदाय काफी हद तक मुस्लिम विरोधी मंच पर एकजुट हो जाए। हिंदू एकता का विचार उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण है, इसलिए बंगाल भाजपा के वैचारिक प्रोजेक्ट के लिए सबसे बड़े पुरस्कारों में से एक है। यही एसआईआर प्रक्रिया के महत्व का भी कारण है। अगर इसके जरिए मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी कम हो जाती है, तो बंगाल में भाजपा वेज जीतने की सम्भावना बढ़ जाएगी। बंगाल का महत्व सिर्फ भारतीय राजनीति तक सीमित नहीं है। दुनिया भर में लोकतंत्र पर नजर रखने वाले विद्वानों और पर्यवेक्षकों के लिए भी यह रुचि का विषय है, जो खास तौर पर एसआईआर जैसे कदमों की निगरानी कर रहे हैं, जो इस समय बंगाल में पूरी तरह लागू है (और दूसरे राज्यों में भी फैल रहा है)। दुनिया भर के राजनीतिक अनुभवों पर आधारित लोकतंत्र के कमजोर होने (डेमोक्रेटिक बैकस्लाइडिंग) के सिद्धांत के अनुसार, आज के समय में लोकतंत्र को कमजोर करने की शुरुआत गैर-चुनावी अंकुशों से होती है, जैसे अभिव्यक्ति की आजादी, गैर-सरकारी सिविल सोसायटी की सक्रियता और अल्पसंख्यकों के अधिकार। इसके बाद आम तौर पर अगला निशाना चुनाव प्रक्रिया होती है। एसआईआर का असर कम आय और कम पढ़े-लिखे कई समुदायों पर पड़ सकता है। आम तौर पर उनके पास जरूरी दस्तावेज नहीं होते। जब बहुसंख्यक विचार वाली पार्टियां वोटर पंजीकरण से जुड़े ऐसे कदम उठाती हैं, तो इसका असर गरीब, अल्पसंख्यक समुदायों पर बहुत पड़ता है। अगर बंगाल में एसआईआर से मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी घट जाती है और भाजपा चुनाव जीत जाती है, तो यह सिर्फ व्यावहारिक राजनीति का मामला नहीं होगा। यह दुनिया में लोकतंत्र पर होने वाली बहसों का हिस्सा बनेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं आशुतोष वार्ष्णेय)

ब्रिटिश किंग चार्ल्स ने ट्रम्प पर तंज कसा,250 साल पुराने इतिहास की याद दिलाइ कहा-अगर हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होतें

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प बोले-

चार्ल्स ने वो किया जो मैं नहीं कर पाया- जब ट्रम्प के बोलने की बारी आई तो उन्होंने चार्ल्स की तारीफ की और कहा कि उन्होंने संसद में शानदार भाषण दिया। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि चार्ल्स ने डेमोक्रेट्स को भी खड़ा कर दिया, जो वह खुद कभी नहीं कर पाए। दरअसल, अमेरिका में दो बड़ी पार्टियां हैं। रिपब्लिकन (ट्रम्प की) और डेमोक्रेट्स (विपक्ष)। आमतौर पर डेमोक्रेट्स, ट्रम्प की बातों से सहमत नहीं होते, इसलिए उनके लिए खड़े होकर तालियां नहीं बजाते। लेकिन चार्ल्स के भाषण पर डेमोक्रेट्स ने भी खड़े होकर तालियां बजाईं। किंग चार्ल्स अपने साथ एक तोहफा भी लाए। यह ब्रिटेन की तरफ से ट्रम्प के लिए एक तरह की कूटनीतिक पहल मानी जा रही है, खासकर तब जब ट्रम्प ने ईरान मुद्दे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की आलोचना की थी। चार्ल्स ने ट्रम्प को ब्रिटिश पनडुब्बी एए की घंटी भेंट की। यह पनडुब्बी 1944 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान लॉन्च हुई थी। तोहफा देते हुए चार्ल्स ने कहा कि यह हमारी साझा इतिहास और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक बने। साथ ही हंसते हुए कहा, 'अगर कभी हमें बुलाना हो, तो बस घंटी बजा दीजिए।' किंग चार्ल्स ने ट्रम्प की मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद भी दिया और बताया कि यह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ऐसे समय में हुआ जब ब्रिटेन और अमेरिका के बीच कुछ तनाव भी रहा है। खासकर ईरान पर अमेरिका-इजराइल हमले को लेकर, जिसमें ब्रिटेन की लेबर सरकार शामिल नहीं हुई। इसके बाद ट्रम्प ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की आलोचना भी की थी। ट्रम्प ने ईरान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वे और चार्ल्स दोनों इस बात से सहमत हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। इससे पहले चार्ल्स ने अमेरिकी संसद में अपने संबोधन में लोकतंत्र की तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि सत्ता (पावर) एक ही व्यक्ति के पास नहीं होनी चाहिए, बल्कि अलग-अलग हिस्सों में बंटी होनी चाहिए। उनका मतलब यह था कि अमेरिका पहले ब्रिटेन के राजा के अधीन था। फिर आजादी के बाद उसने ऐसा सिस्टम बनाया, जिसमें कोई राजा नहीं होता और सत्ता बांट दी जाती है ताकि तानाशाही न हो। अमेरिका में सरकार तीन हिस्सों में बंटी होती है। राष्ट्रपति, संसद (कांग्रेस) और अदालत। चार्ल्स ने कहा कि 250 साल पहले जो मतभेद थे, अब उनकी जगह एक मजबूत दोस्ती ने ले ली है, जो दुनिया के सबसे अहम गठबंधनों में से एक बन चुकी है।

पाकिस्तान में गुब्बारों में गैस भरकर खाना बना रहे लोग,एलपीजी/तेल की किल्लत की वजह से लोग मजबूर

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में गैस की भारी कमी के कारण लोग अब प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरकर खाना बनाने को मजबूर हो गए हैं। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, लंबे समय से गैस लोड शेडिंग और कम प्रेशर की वजह से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। यह खतरनाक तरीका खास तौर पर कराची के ओरंगी टाउन इलाके में देखा गया है, जिसमें मोमिनाबाद भी शामिल है। वहां के लोगों का कहना है कि अनियमित गैस सप्लाई के कारण उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, लोग खास तरह के प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरते हैं। जब थोड़ी देर के लिए गैस सप्लाई आती है, तब इन गुब्बारों को भर लिया जाता है और बाद में दिन भर इन्हीं का इस्तेमाल करके खाना बनाया जाता है। ये गुब्बारे स्थानीय बाजार में भी करीब 1000 से 1500 रुपये में मिल रहे हैं।एक्सपर्ट्स ने इस तरीके को बेहद खतरनाक बताया है। सेफ्टी एनालिस्ट्स का कहना

है कि प्लास्टिक के गुब्बारों में गैस भरना 'मोबाइल बम' जैसा है, क्योंकि हल्की सी घर्षण, गर्मी या चिंगारी भी बड़ा विस्फोट करा सकती है। घरों के अंदर ऐसे गैस से भरे गुब्बारे रखना आग लगने के खतरे को बढ़ाता है, खासकर घनी आबादी वाले इलाकों में इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आई है जब वैश्विक स्तर पर ऊर्जा सप्लाई पर दबाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण ऊर्जा सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट जैसे अहम रास्तों पर भी असर पड़ा है। कराची में कई सालों से गैस की कमी, कम दबाव और लंबी कटौती की समस्या चलती रही है। सर्दियों में तो हालत और खराब हो जाती है, क्योंकि उस समय मांग बढ़ जाती है और सप्लाई उतनी नहीं होती। इसी वजह से पहले भी लोग अलग-अलग जुगाड़ करते रहे हैं। घरेलू गैस (मीथेन/एलपीजी) बेहद ज्वलनशील होती है। अगर थोड़ी भी गैस लीक हो जाए और पास में चिंगारी, माचिस या बिजली का स्पार्क आ जाए, तो तुरंत आग या विस्फोट हो सकता है।

इसी वजह से एक्सपर्ट्स इसे 'चलता-फिरता बम' कहते हैं। असल में प्लास्टिक के गुब्बारे गैस रखने के लिए बने ही नहीं होते, ये बहुत कमजोर होते हैं इसलिए उनमें भरी गैस बहुत जल्दी लीक हो सकती है। अगर हल्का सा दबाव पड़े, कहीं रगड़ लगे या ज्यादा गर्मी हो जाए, तो गुब्बारा फट सकता है। फटते ही गैस तेजी से बाहर निकलेगी और तुरंत आग पकड़ सकती है।

हुगली में टीएमसी और आईएसएफ कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट,हावड़ा में ईवीएम खराब होने पर हंगामा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों

पर वोटिंग हो रही है। सुबह 9 बजे तक 18.39फीसदी वोटिंग हो चुकी है। मतदान के लिए सुबह 5.30 बजे से ही लोग बूथों पर पहुंचने लगे थे। ज्यादातर बूथों पर महिलाओं की लंबी लाइन लगी है। हुगली जिले के खानकुल में बूथ पर नकली पोलिंग एजेंट बैठाने को लेकर टीएमसी और आईएसएफ समर्थकों के बीच मारपीट हो गई। नादिया के छपरा में बीजेपी एजेंट ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। वहीं हावड़ा के बाली में ईवीएम में गड़बड़ी की बात को लेकर हंगामा हो गया। सीआरपीएफ जवानों ने दो लोगों को हिरासत में लिया। 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने इन 142 में से 123 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पहले फेज की 152 सीटों पर 23 अप्रैल को रिकॉर्ड 93फीसदी मतदान हुआ था। 4 मई को रिजल्ट आएंगे।बैरकपुर के इचापुर में बूथ पर लोग सुबह 6 बजे से खड़े हैं और 10:30 बजे तक यानी साढ़े 4 घंटे के बाद भी उनका नंबर नहीं आया। लोगों की शिकायत है कि यहां पर ईवीएम में कुछ खराबी है। जिस वजह से दिक्कत आ रही है। कई महिलाएं थककर बैठ चुकी हैं और एक युवती बीमार हैं। उनका कहना है कि हमें भूख लगी है लेकिन हम वोट डालकर ही जाएंगे। डायमंड हार्बर के रायनगर में एक पोलिंग बूथ पर वोटरों ने एक युवक को बूथ कैप्चरिंग और नकली वोट डालने की कोशिश करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी की पहचान महेशतला के शेख अली हुसैन के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बीजेपी ने चुनाव आयोग में एक लिखित शिकायत दी है। मानिकतला में तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार श्रेया पांडे के घर के सामने शिक्षा निकेतन स्कूल में बने पोलिंग बूथ पर वोटर्स लंबी लाइनों में खड़े दिखे। पोलिंग बूथ के पास श्रेया पांडे का कैंपेन बैनर भी लटका हुआ था। इसमें टीएमसी को वोट देने की अपील की गई है। चुनाव आयोग को नियमों के मुताबिक पोलिंग बूथ के 100 मीटर के भीतर चुनाव प्रचार की कोई भी सामग्री नहीं लगाई जा सकती है।

पंजाब-'आप' ऑब्जर्वर की मीटिंग में एमएलए भी बुलाए,बैठक की लोकेशन बदली,सांसदों के पार्टी छोड़ने से टूट का खतरा

जालंधर। पंजाब के 6 राज्यसभा सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद 'आप' में विधायकों की टूट बचाने के लिए प्रदेश प्रभारी मनीष सिसोदिया जालंधर में मीटिंग बुलाई है। यह मीटिंग 1000 ब्लॉक ऑब्जर्वरों के साथ बताई जा रही है लेकिन इसमें विधायक भी पहुंच रहे हैं। पहले मीटिंग की जगह जालंधर में सीएम निवास रखी गई थी लेकिन अब इसे बदलकर शाहपुर सिटी कैंपस कर दिया गया है। यह कैंपस शहर से बाहर है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक 12 बजे शुरू होने वाली इस मीटिंग में नरेश कटारिया, जीवनजोत कौर, इंद्रजीत निज्जर समेत 25 एमएलए पहुंच चुके हैं। ऑब्जर्वर भी मीटिंग में पहुंच रहे हैं। इस दौरान विधायकों और ऑब्जर्वरों के साथ कैंपस के ग्राउंड में ग्रुप फोटो भी कराई जाएगी। इससे पहले कल (28 अप्रैल) को सोशल मीडिया (एक्स) पोस्ट में सिसोदिया ने दावा किया था कि यह मीटिंग सिर्फ ऑब्जर्वरों के साथ है। इसमें विधायकों की इमरजेंसी मीटिंग जैसी कोई बात नहीं है। मनीष सिसोदिया ने एक्स पोस्ट में कहा था- 'पार्टी के 1000 ब्लॉक ऑब्जर्वर्स की बैठक बुलाई गई है। इसे गलत तरीके से 'विधायकों की आपात बैठक' बताया जा रहा हैं। यह एक नियमित संगठनात्मक बैठक है, जो पार्टी की रूटीन संगठनात्मक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें हर ब्लॉक के संगठन की स्थिति, जमीनी फीडबैक और आगे की कार्ययोजना पर विस्तार

से चर्चा होती है।' पंजाब में 'आप' में टूट की चर्चा क्यों? राघव चड्ढा की 60प्लस विधायकों से करीबी का दावाः राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा जॉइन कर ली। इस दौरान चड्ढा के करीबियों के जरिए दावा किया गया कि पंजाब के मौजूदा 94 'आप' विधायकों में से 60प्लस विधायक राघव चड्ढा के संपर्क में हैं। इससे पंजाब में 'आप' की सरकार को संकट हो सकता है। हालांकि चड्ढा ने इसको लेकर खुलकर कुछ नहीं कहा है। संदीप पाठक के पास सबका बायोडेटाः राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक ने भी भाजपा जॉइन की। वह पंजाब में 'आप' की स्ट्रेटजी बनाने का काम करते थे। उनके करीबियों का दावा है कि पाठक के पास पंजाब के हर 'आप' विधायक का बायोडेटा है। इसमें सिर्फ उनका प्रोफाइल ही नहीं बल्कि उनके हर तरह के कामों की जानकारी पाठक को है। यह भी चर्चा है कि 'आप' की तरफ से जो विधानसभा क्षेत्रवाइज टीम लगाई गई है, उनकी नियुक्ति भी संदीप पाठक ने ही की है। ऐसे में पाठक 'आप' को झटका दे सकते हैं। क्या वाकई विधायक 'आप' छोड़ सकते हैं? सिटिंग एमएलए को टिकट कटने का डरः पॉलिटिकल एक्सपर्ट डॉ. कृपाल सिंह औलख के अनुसार, आम आदमी पार्टी के कई विधायकों के इस समय विवाद चल रहे हैं या फिर वो पार्टी हाईकमान से नाराज हैं। राज्य में कई विधायक ऐसे हैं, जो एंटी इंकमबेंसी की वजह से पार्टी से किनारा कर सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी हलकों में अपने लेवल पर सर्वे करवा रही है। विधायाकों को डर है कि उनके टिकट न कट जाएं। अमृतसर से कुंवर विजय प्रताप कर चुके बगावतः अमृतसर से 'आप' विधायक व पूर्व आईजी कुंवर विजय प्रताप लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रहे हैं। बरगाड़ी कांड को लेकर वो लगातार सरकार को घेरते रहे हैं। यही नहीं उन्होंने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी खुलकर मोर्चा खोला है। इसके बावजूद पार्टी ने उन्हें निकाला नहीं है। अनमोल गगन मान ने भी पार्टी छोड़ दी थीः खरड़ से विधायक व पूर्व मंत्री गगन अनमोल मान ने भी पिछले साल राजनीति से सन्यास लेने का ऐलान किया था। वो भी मंत्री पद से हटाए जाने के कारण पार्टी से नाराज चल रही थी। हालांकि बाद में पार्टी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा के मनाने पर वह फिर से एक्टिव हो गईं। 9 मंत्रियों की हो चुकी कैबिनेट से छुट?टी, वह नाराजः पॉलिटिकल एक्सपर्ट डॉ. औलख के अनुसार आम आदमी पार्टी की सरकार से 9 मंत्रियों की छुट?टी हो चुकी है।

कैबिनेट से छुट?टी होने से कहीं न कहीं उनके मन में भी टीस है। जिनकी मंत्रिमंडल से छुट?टी हुई है उनमें- अनमोल गगन मान, चेतन सिंह जौड़ामजरा, कुलदीप सिंह धालीवाल, ब्रह्म शंकर जिम्पा, बलकार सिंह, इंद्रबीर सिंह निज्जर, फौजा सिंह सरारी, विजय सिंगला के अलावा लालजीत भुल्लर के नाम शामिल हैं। लालजीत भुल्लर डीएम रंधावा सुसाइड केस में जेल में हैं।

'उनका जो फर्ज है, वो अहल-ए-सियासत जानें, मेरा पैगाम मोहब्बत है, जहां तक पहुंचे'-अखिलेश यादव

अखिलेश के बाद केशव-ब्रजेश अपनी झुलसीं विधायक से मिलने पहुंचे-सपा प्रमुख के पुतले में आग लगाते वक्त जली थीं

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मंगलवार को अचानक मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल का हाल जाना। अखिलेश ने हाथ जोड़कर नमस्कार

किया तो अनुपमा मुस्कराने लगीं। अखिलेश ने विधायक का इलाज कर रहे डाक्टरों से बात भी की। अखिलेश ने मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। जिस पर एक शेर लिखा, 'उनका जो फर्ज है, वो अहल-ए-सियासत जानें, मेरा पैगाम मोहब्बत है, जहां तक पहुंचे।' अखिलेश के जाने के बाद कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक, महामंत्री धर्मपाल सिंह, विधायक नीरज बोरा को उन्हें बहराइच से लखनऊ लाकर मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।इस घटना के तुरंत बाद अखिलेश ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया था। लिखा था, 'आग लगाने वाले सावधान रहें। आग लगाने वाली महिला की इलाज की व्यवस्था की जाए।' अखिलेश ने कहा- राजनीति अपनी जगह, मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह. सपा प्रमुख ने कहा, हम नहीं चाहते हैं कि समाज के बीच आग जले। हम ने भी मुलाकात की। बहराइच से विधायक अनुपमा 25 अप्रैल को नारी वंदन अधिनियम संसद में गिरने के विरोध में अखिलेश यादव और राहुल गांधी का पुतला फूंक रही थीं, तभी झुलस गई थीं। 25 अप्रैल को उन्हें बहराइच से लखनऊ लाकर मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।इस घटना के तुरंत बाद अखिलेश ने एक्स पर वीडियो पोस्ट किया था। लिखा था, 'आग लगाने वाले सावधान रहें। आग लगाने वाली महिला की इलाज की व्यवस्था की जाए।' अखिलेश ने कहा- राजनीति अपनी जगह, मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह. सपा प्रमुख ने कहा, हम नहीं चाहते हैं कि समाज के बीच आग जले। हम चाहते हैं समाज में सौहार्द की फुहार हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने हमें यही सिखाया है। इसीलिए हम भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल से मिलने गए। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करके आए हैं। राजनीति अपनी जगह है और मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह। सद्भाव बना रहे, सौहार्द बना रहे! सपा मीडिया सेल ने कहा- पीएम और सीएम को देखने जाना चाहिए था. इस मामले में सपा मीडिया सेल ने पीएम मोदी और सीएम योगी पर निशाना साधा। एक्स पर लिखा, राजनैतिक दल भले ही अलग हों, विचारधारा अलग हो, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव महिलाओं का सम्मान करने और सद्भाव में सबसे आगे हैं। भाजपा विधायिका अनुपमा जायसवाल सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला जलाते समय खुद जल गई थीं। उन्हें देखने, उनका कुशलक्षेम पूछने और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ सपा प्रमुख खुद मेदांता हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने अनुपमा से भेंट की, कुशलक्षेम पूछा, अच्छे स्वास्थ्य की कामना की और परिजनों से मुलाकात की। जबकि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ बिष्ट को अपनी विधायिका को देखने मिलने खुद जाना चाहिए था, लेकिन वे लोग बंगाल चुनाव में व्यस्त थे और विपक्ष को कोस रहे थे। महिला सुरक्षा और नारी वंदन का भाजपाई और समाजवादी पार्टी के बीच का अंतर स्पष्ट है। कैसे हुई थी घटना- बहराइच में 25 अप्रैल को दोपहर एक बजे भाजपा कार्यकर्ता नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यकर्ताओं ने जैसे ही पुतले में आग लगाई। लपटें भड़क उठीं और विधायक अनुपमा जायसवाल के चेहरे पर आ गईं। उनका चेहरा और सिर के बाल झुलस गए। मौके पर मौजूद कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों ने तुरंत कपड़े से आग बुझाई। विधायक को तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से मेदांता भेज दिया गया। अनुपमा जायसवाल योगी सरकार के पहले कार्यकाल में करीब 2 साल बेसिक शिक्षा और महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं।

एक्सपर्ट ने चेताया-ईरान संग 6 कॉरिडोर बनाकर पाकिस्तान ने ट्रंप को दिया झटका, भारत के बिना होगा फेल

यात्री यूरोप से चलकर तुर्की, ईरान और तफ्तान के रास्ते होते हुए पाकिस्तान में क्वेटा, फिर लाहौर और अंत में भारत में दिल्ली या उससे आगे तक जाते थे। भारत में हिप्पी मूवमेंट का प्रभाव इस दौरान खूब देखने को मिला जब पश्चिमी युवा आध्यात्मिक खोज और स्वतंत्र जीवनशैली की तलाश में भारत आये और गोवा, ऋषिकेश और वाराणसी जैसे स्थान इनके प्रमुख केंद्र बने। इसका सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय योग, ध्यान और आध्यात्मिक परंपराओं के वैश्वीकरण के रूप में सामने आया। ऋषिकेश विश्व स्तर पर योग नगरी के रूप में प्रसिद्ध हुआ। पर्यटन उद्योग को भी बढ़ावा मिला और गोवा में विदेशी पर्यटकों की संख्या तेजी से बढ़ी। संगीत और कला के क्षेत्र में भी परिवर्तन आया। रवि शंकर जैसे कलाकारों ने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। फैशन और जीवनशैली में पश्चिमी शैली, ढीले कपड़े और प्रकृति के प्रति झुकाव बढ़ा। हिप्पी संस्कृति ने भारत को वैश्विक आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित किया और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत किया। बाद में ईरान की इस्लामिक क्रांति और अफगानिस्तान में अशांति से यह सड़क मार्ग लगभग बंद हो गया। अब पाकिस्तान ईरान के लिए तफ्तान का मार्ग खोलकर यूरोप तक सड़क मार्ग से व्यापार करने का ख्वाब देख रहा है और इसके पीछे चीन की बड़ी महत्वकांक्षी बेल्ट एंड रोड परियोजना है। तफ्तान का आर्थिक, रणनीतिक और ऐतिहासिक महत्व अत्यंत व्यापक है। आर्थिक दृष्टि से तफ्तान पाकिस्तान-ईरान के बीच प्रमुख स्थलीय व्यापारिक द्वार है। यहां से खाद्य पदार्थ, पेट्रोलियम उत्पाद, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं का आयात-निर्यात होता है। ईरान से सस्ती ऊर्जा आपूर्ति की संभावनाओं के कारण यह क्षेत्र ऊर्जा सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। भविष्य में गैस पाइपलाइन और व्यापारिक कॉरिडोर विकसित होने पर इसका महत्व और बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से तफ्तान अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है। यह इलाका लंबे समय से तस्करी, अवैध आवागमन और विद्रोही गतिविधियों से प्रभावित रहा है, इसलिए सीमा प्रबंधन, सुरक्षा बलों की तैनाती और निगरानी के लिहाज से इसका महत्व बहुत अधिक है। यह पाकिस्तान को ईरान और आगे पश्चिम एशिया से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क बिंदु है, जिससे क्षेत्रीय कूटनीति और सामरिक संतुलन प्रभावित होता है। ऐतिहासिक रूप से तफ्तान प्राचीन व्यापार मार्गों का हिस्सा रहा है, जो दक्षिण एशिया को मध्य एशिया और पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। यह मार्ग सांस्कृतिक आदान-प्रदान,यात्राओं और व्यापार का प्रमुख केंद्र रहा है। आधुनिक काल में भी यह स्थान पुराने सिल्क रूट की परंपरा को आगे बढ़ाता हुआ दिखाई देता है।

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा

जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन

मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को

पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा?

जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ

भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें। उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें। अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

बच्चों को अब होमवर्क के लिए मोबाइल की जरुरत पड़ रही हैं हर सवाल एआई से तो खुद क्या सीख पायेंगे- क्या करूं?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला

हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एआई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने से बचने लगी है। मुझे लगता है

कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लर्निंग एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता

बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए बच्चों का एआई टूल यूज करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एआई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल का जवाब बिना खुद सोचे सीधे एआई से लेता है तो उसकी समझ और बुद्धि कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिक रूप से हमारा दिमाग 'यूज इट ऑर लूज इट' के सिद्धांत पर काम करता है। यानी जितना हम सोचते-समझते और समस्या हल करते हैं, उतना ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एआई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लर्निंग जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एआई एक लर्निंग टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एआई की मदद लेने को कहें। एआई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या पढ़ाई के दौरान एआई का कब और कितना इस्तेमाल करना है, इसके लिए स्पष्ट नियम बनाएं। दिन का कुछ समय ऐसा तय करें, जब बच्चा बिना किसी डिजिटल मदद के खुद पढ़ाई और प्रैक्टिस करे। बच्चे को बताएं कि चाहिए कि वे बच्चे की कोशिश और सोचने की प्रक्रिया को सराहें। आप अपनी बेटी से कह सकते हैं कि पहले वह खुद सवाल हल करने की कोशिश करे और बाद में एआई से अपने जवाब की तुलना करे। इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एआई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाए। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती है। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एआई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एआई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी सोच को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एआई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एआई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एआई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेगी कि एआई सिर्फ हेल्पिंग टूल है। उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

10 जुलाई को जापान में रिलीज होगी धुरंधर,जापानी भाषा में मूवी का नाम 'ऑपरेशन धुरंधर' होगा

मुंबई। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 10 जुलाई 2026 को जापान में रिलीज की जाएगी। जापान में इस फिल्म को 'ऑपरेशन धुरंधर'

के नाम से रिलीज किया जाएगा। धुरंधर से पहले जापान में रणवीर सिंह की गली बॉय, गोलियों की रासलीला राम-लीला और पद्मावत फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। जापान में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म आरआरआर है, जिसने लगभग 143.69 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर रजनीकांत स्टारर फिल्म मूथु है, जिसकी कमाई करीब 24.04 करोड़ रुपए रही। इसके अलावा बाहुबली 2 और 3 इडियट्स ने भी यहां अच्छी कमाई की थी।धुरंधर 5 दिसंबर 2025 को ग्लोबली रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन नजर आए थे। फिल्म आदित्य धर ने डायरेक्ट की थी। सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। धुरंधर का दूसरा पार्ट ग्लोबली 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था। फिल्म की अब तक की कुल दुनिया भर में कमाई 1,780.76 करोड़ रुपए हो चुकी है। भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 1,132.94 करोड़ रुपए और कुल ग्रॉस कलेक्शन 1,356.01 करोड़ रुपए तक हो गया है। फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अब तक 424.75 करोड़ रुपए की कमाई की है।

यश की 'टॉक्सिक' की रिलीज दूसरी बार टली,फिल्म 4 जून को नहीं आएगी,धुरंधर 2 के बाद क्या अब ओटीटी राइट्स के चलते मुश्किल बढ़ी?

मुंबई। यश स्टारर फिल्म टॉक्सिक की रिलीज डेट एक बार फिर टाल दी गई। अब फिल्म 4 जून को नहीं रिलीज होगी और अभी नई डेट घोषित नहीं की गई है। यश के ऑफिशियल इंस्टाग्राम

अकाउंट से पोस्ट किया गया, 'कुछ फिल्में हम बनाते हैं और कुछ फिल्में हमें यह याद दिलाती हैं कि हमें सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। 'टॉक्सिक' ऐसी ही एक यात्रा रही है।सिनेमाकॉन में अपनी फिल्म को पेश करना और दुनिया भर से मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स देखना, इस बात को फिर से साबित करता है जिस पर हमें हमेशा भरोसा था कि यह फिल्म पूरी दुनिया में अपनी पूरी क्षमता के साथ पहुंचने की हकदार है।'टॉक्सिक' पूरी तरह तैयार है और इस समय हम इसकी ग्लोबल डिस्ट्रीब्यूशन और पार्टनरशिप को सही तरीके से तय कर रहे हैं। इसी वजह से हमने अपनी रिलीज टाइमलाइन में बदलाव करने का फैसला किया है। पहले बताई गई 4 जून की रिलीज पर अब फिल्म नहीं आएगी, बल्कि बाद में एक ऐसी तारीख पर रिलीज होगी जो दुनिया भर के हिसाब से सही होगी। 'टॉक्सिक' जल्द ही पूरी दुनिया के सिनेमाघरों में आएगी।' उन्होंने आगे लिखा-'ऐसे समय में, जब भारतीय सिनेमा अपनी नई पहचान बना रहा है और बड़े मंच पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है, हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम लेवल को और ऊंचा करें। एक अभिनेता-निर्माता के रूप में, मैं इस पल को भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और हम सभी के लिए अपना योगदान देने का मौका मानता हूं, ताकि हमारी फिल्म दुनिया तक उसी असर के साथ पहुंचे, जिसकी वह हकदार है।हर कदम पर और हर बदलाव के दौरान, आपका साथ मेरे साथ बना रहा और इसके लिए मैं दिल से आभारी हूं। कुछ कहानियां धैर्य मांगती हैं। कुछ सफर इसकी जरूरत रखते हैं। हम वादा करते हैं कि हम आपको ऐसी फिल्म देंगे जिसे आप एंजॉय भी करें और सेलिब्रेट भी एक ऐसी फिल्म, जो भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का पल बनेगी।- यश' गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब फिल्म की रिलीज डेट टली है। फिल्म की ओरिजिनल रिलीज डेट 19 मार्च 2026 थी, जिसे 4 जून 2026 पर शिफ्ट किया गया था।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।